कोटद्वार, शनिवार
4 जनवरी 2025
वर्ष: 46
अंक: 237 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

नामांकन निरस्त होने पर हाईकोट पहुंचे रावल

चम्पावत। गंगोलीहाट में पालिकाध्यक्ष सीट के लिए चुनाव मैदान में उतरे पत्रकार हरगोविंद रावल का नामांकन निरस्त होने पर उन्होंने न्यायालय की शरण ली है। शुक्रवार को रावल ने बताया कि प्रशासनिक अधिकारियों ने जिस कारण के लिए उन्हें चुनाव मैदान से दूर किया है वह उचित नहीं है। उक्त निर्णय से आहत होकर उन्होंने हाईकोर्ट की शरण ली है।

शिकारियों ने पंचाचुली की तलहटी में लगाई आग

पिथौरागढ़। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में ठंड बढ़ने के बाद निचले इलाकों में आए दुर्लभ वन्य जीवों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। शिकारी आए दिन जंगल में उनके शिकारी को आग लगा रहे हैं। पंचाचूली की तलहटी से फिर से धुंआ उठने लगा है। जंगलों में लगाई जा रही आग से आसमान में भी धुंध छा गई है। शुक्रवार को पंचाचुली की तलहटी पर स्थित जंगल से धुंआ का गुबार आसमान में दिखाई दिया। स्थानीय व मल्ला जोहार समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू का कहना है कि प्रतिवर्ष ही ठंड के दिनों में शिकारी वन्यजीवों के शिकार को जंगलों में आग लगा रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से शिकारियों का पता कर कार्रवाई की मांग की है।

केबल आपरेटर से एक लाख का रिश्वत लेता ट्राई का अधिकारी गिरफ्तार

शिमला । सीबीआई ने हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में एक केबल ऑपरेटर को लाभ पहुंचाने के बदले एक लाख की रिश्वत लेने के आरोप में भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (टीआरएआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अधिकारी का नाम नरेंद्र सिंह रावत है। केंद्रीय एजेंसी ने आरोपी नरेंद्र रावत पर मामला दर्ज कर लिया है। बता दें कि नरेंद्र ने हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में केबल सेवाएं चलाने के लिए केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय के एक लाइसेंस धारक से रिश्वत की मांग की थी।

आपातकाल के दौरान अशोक विहार मेरा ठिकाना था: मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि साल 1975 में जब देश में आपातकाल थोपा गया था तो उस दौर में राजधानी दिल्ली का अशोक विहार इलाका उनके रहने का स्थान हुआ करता था। प्रधानमंत्री ने राजधानी के अशोक विहार स्थित स्वाभिमान अपार्टमेंट में इन–सीटू स्लम पुनर्वास परियोजना के अंतर्गत झुग्गी झोपड़ी (जेजे) समूहों के निवासियों के लिए 1,675 नवनिर्मित फ्लैटों का उद्घाटन करने और इनकी चाबियां पात्र लाभार्थियों को सौंपने के बाद अपने संबोधन में यह बात कही।

इन फ्लैटों के उद्घाटन से पहले प्रधानमंत्री ने पूरे स्वाभिमान अपार्टमेंट का मुआयना किया और लाभार्थियों व उनके परिवार के सदस्यों से बातचीत भी की। बाद में अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि अशोक विहार के लोगों को नई आशाओं और नए सपनों का घर मिला और वे सभी की खुशियों का हिस्सा बनने वहां आए हैं। उन्होंने कहा, ह्यह्यऔर आज जब यहां आया हूं तो काफी पुरानी यादें ताजा होना बहुत स्वाभाविक है। आप में से शायद कुछ लोगों को पता होगा, जब आपातकाल का समय था, देश इंदिरा गांधी के तानाशाही रवैये के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा था। आपातकाल के खिलाफ एक लड़ाई चल रही थी, उस समय मेरे जैसे बहुत साथी अंडरग्राउंड आंदोलन का हिस्सा थे।'' उन्होंने कहा, ह्यह्यऔर उस समय ये अशोक विहार मेरा रहने का स्थान हुआ करता था।

मुंबई के धारावी में भीषण हादसा, टैंकर ने मारी जोरदार टक्कर, 6 गाडियां खाई में गिरीं

मुंबई , मुंबई के धारावी इलाके में आज सुबह एक भीषण सडक़ हादसा हुआ है। तेज रफ्तार एक टैंकर ने सडक़ किनारे खड़ी छह गाडिय़ों को जोरदार टक्कर मारी, जिससे सभी गाडिय़ां पास के नाले में गिर गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ जब गाडिय़ों के मालिक उन्हें रात में सडक़ किनारे पार्क करके गए थे। बेकाबू टैंकर ने इन गाडिय़ों को टक्कर मारते हुए नाले में धकेल दिया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और टैंकर चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। सौभाग्यवश, इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। क्योंकि हादसे के समय सभी गाडिय़ां खाली थीं। फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची है और नाले में गिरी गाडिय़ों को निकालने का काम जारी है। पुलिस ने इस संबंध में एक मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस अभी तक इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर टैंकर चालक क्यों इतनी तेजी से गाड़ी चला रहा था और वह हादसे के समय नशे में था या नहीं। धारावी में हाल के दिनों में सडक़ हादसों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इसका मुख्य कारण तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाना है।

सच्चा शौर्य शक्ति में नहीं अपितु सेवा और समर्पण में निहित होता है : मुख्यमंत्री

क्षेत्र के विकास के लिए मुख्यमंत्री ने की कई घोषणाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मलेथा टिहरी गढ़वाल में वीर शिरोमणि माधोसिंह भंडारी की स्मृति में आयोजित 5 दिवसीय राजकीय औद्योगिक कृषि विकास मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभागीय स्टालों का निरीक्षण कर विभिन्न स्कूलों एवं एनसीसी कैडेट्स द्वारा निकाली गई मार्च पास्ट रैली को सलामी दी। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने मलेथा में वीर शिरोमणि माधोसिंह भंडारी के स्मारक में उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनके द्वारा निर्मित ऐतिहासिक गूल का अवलोकन कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मलेथा चौराहे का नाम वीर शिरोमणि माधोसिंह भण्डारी के नाम पर किए जाने, वीर शिरोमणि माधोसिंह भण्डारी मेला स्थल का विस्तारीकरण किए जाने, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिल्काखाल के भवन निर्माण, सूर्य देवी मन्दिर पलेठी बनगढ का सौन्दर्यकरण किए जाने, रैतासी सड़क का निर्माण तथा ललूडीखाल-फरस्वाणगांव मोटर मार्ग एवं भैंसकोट मोटर मार्ग का डामरीकरण करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने वीर शिरोमणि माधोसिंह भण्डारी के अद्वितीय साहस, त्याग और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि यह सामान्य मेला नहीं अपितु एक विशेष त्यौहार है, जो अपनी सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने का काम कर रहा है तथा भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सच्चा शौर्य शक्ति में नहीं अपितु सेवा ओर समर्पण में निहित होता है, जिसकी बानगी वीर शिरोमणि माधोसिंह भण्डारी के कार्यों से मिलती है। उनके द्वारा क्षेत्र की खुशहाली के लिए कठिन एवं विपरीत परिस्थितियों में जो सिंचाई गूल बनाई गई वह आज भी लोगों को लाभान्वित कर रही है।

इस अवसर पर उद्यान, पशुपालन, राजस्व, बाल विकास, चिकित्सा, उद्योग, कृषि, समाज कल्याण, पर्यटन, ग्राम्य विकास, पंचायत राज आदि विभागों द्वारा विभागीय स्टालों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार करने के साथ ही जन शिकायतों का निस्तारण किया गया। विभिन्न स्कूली बच्चों द्वारा भारतीय संस्कृति पर आधारित झांकियों का प्रदर्शन किया गया। विधायक देवप्रयाग विनोद कंडारी ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए हुए क्षेत्र के विकास से संबंधित मांग पत्र मुख्यमंत्री को सौंपा।

शीतलहर की चपेट में उत्तर भारत के कई राज्य, आईएमडी ने जारी किया ऑरेंज और येलो अलर्ट

नई दिल्ली , दिल्ली एनसीआर समेत देश के तमाम राज्य शीतलहर की चपेट में है। उत्तर भारत के कई राज्यों में कोहरे और ठंड को लेकर येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।दिल्ली में हवाओं की वजह से तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण 6 जनवरी तक तेज हवाओं और बारिश का सिलसिला जारी रहेगा।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, राजधानी दिल्ली में न्यूनतम तामपान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी के अनुसार दिल्ली में गुरुवार को लगातार चौथे दिन भीषण ठंड की स्थिति बनी रही। पश्चिम दिल्ली में कोहरे और ठंड को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पंजाब के तरनतारन, गुरदासपुर, जालंधर, अमृतसर में भी अत्यधिक ठंड की आशंका जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, हरियाणा के कुछ इलाकों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। गाजियाबाद में भी हालात वैसे ही हैं। शुक्रवार सुबह न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं दिन में अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस पहुंचने का अनुमान है। दिन में दोपहर बाद हल्की धूप खिलने का अनुमान है। आज हवा की गति 10 किमी प्रति घंटा से चल रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में पछुआ ने ठंड बढ़ाई है। इस वजह से यहां पारा 4 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। कानपुर शहर में पारा 5 डिग्री सेल्सियस पहुंच चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी गलन पड़ रही है। लखनऊ में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 17.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अगले 24 घंटे में प्रदेश का अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस का इजाफा दर्ज किया जा सकता है।

एटीएम से निकाल सकेंगे ईपीएफ का रुपया

नई दिल्ली । ईपीएुओ को लेकर सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। सरकार ईपीएफओ के एटीएम कार्ड और मोबाइल एप को इस साल मई—जून तक लॉन्च करने के मूड में है। केंद्रीय मंत्री ने इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि ईपीएफओ 2.0 के तहत पूरे आईटी सिस्टम को अपग्रेड किया जाएगा। उम्मीद है कि इस ऐप का काम जनवरी अंत तक खत्म हो जाएगा। इसके बाद इसे मई—जून 2025 तक की जाएगी। ऐप के ज़रिए ईपीएफओ सब्सक्राइबर्स को बैंकिंग फैसिलिटी मिल सकेगी। इससे पूरा सिस्टम सेंट्रलाइज्ड होगा और क्लेम सेटलमेंट की प्रक्रिया आसान होगी। श्रम मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि ईपीएफओ 3.0 के ज़रिए अब ईपीएफओ के सब्सक्राइबर्सल देश के किसी भी बैंक में जाकर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। फिलहाल इसे लेकर वित्त मंत्रालय व रिजर्व बैंक आफ इंडिया के बीच विचार—विमर्श किया जा रहा है। ये सुविधा लागू होने के बाद ईपीएफओ के मेंबर्स को डेबिट कार्ड दिया जाएगा, जिससे कार्डधारक एटीएम से अपने पीएफ का फंड निकाल सकेंगे।

कांग्रेस के पूर्व विधायक से लगातार 15 घंटे पूछताछ अमानवीय, ईडी को सुको की फटकार

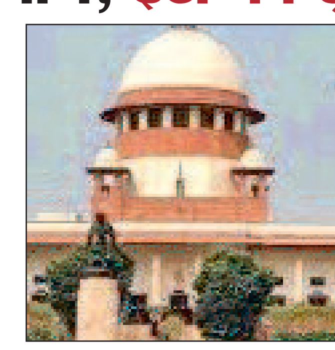

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के पूर्व कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार की अवैध खनन मामले में ईडी द्वारा की गई गिरफ्तारी को अवैध बताया है। साथ ही कांग्रेस नेता से लगभग 15 घंटे तक की गई पूछताछ को ज्यादती बताया। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे ईडी का अमानवीय आचरण कहा। अवैध खनन मामले में कांग्रेस नेता सुरेंद्र पवार को हाईकोर्ट से रिहा किए जाने के फैसले को ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस अभय एस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने ईडी की याचिका को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि ईडी की ओर से लगातार 15 घंटे तक कांग्रेस नेता से की गई पूछताछ का आचरण पूरी तरह से अमानवीय था। क्योंकि यह किसी आतंकी गतिविधि नहीं बल्कि अवैध रेत खनन से जुड़ा मामला था। ऐसे मामले में लोगों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए। ईडी ने व्यक्ति को बयान देने के लिए मजबूर किया। यह ठीक नहीं है। पीठ ने कहा कि हम उच्च न्यायालय के इस फैसले में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं कि प्रतिवादी की गिरफ्तारी अवैध थी। उच्च न्यायालय ने फैसले में केवल यह तय किया था कि पंवार की गिरफ्तारी अवैध थी या नहीं। इससे पहले दो दिसंबर को शीर्ष अदालत ने एक आदेश में कहा कि हाईकोर्ट का फैसला मनी लॉड्रिंग एक्ट की धारा 44 के तहत लंबित शिकायत को प्रभावित नहीं करेगा। ईडी के वकील जोहेब हुसैन ने कहा कि उच्च न्यायालय ने फैसले में गलती की है कि पंवार से लगातार 14.40 घंटे तक पूछताछ की गई। ईडी ने 2024 में अपने अधिकारियों को पूछताछ के कुछ मानकों को बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। इसमें कहा गया है कि लोगों से देर रात और दिन के शुरुआती घंटों में पूछताछ न की जाए।

सम्पादकीय

दक्षेस से भारत को सतर्क रहने की जरूरत

महाशक्तियों की राजनीतिक और आर्थिक महत्त्वाकांक्षाओं ने तीसरी दुनिया के उभरने की संभावनाओं को सुनियोजित तरीके से खत्म कर दिया है। इसका प्रतिबिंब है दक्षिण एशिया और इन देशों का क्षेत्रीय संगठन दक्षेस जिसे सार्क भी कहा जाता है। अमेरिकी प्रभाव में पाकिस्तान की जमीन का सैन्य कार्यों के लिए उपयोग और नेपाल के आधे–अधूरे लोकतंत्र पर चीनी कम्युनिज्म की काली छाया के चलते दक्षिण एशिया के देशों को एकजुट रखने का ख्वाब कई दशकों पहले ही टूट चूका है। इस क्षेत्र में विभिन्न देशों के बीच राजनीतिक मुद्दों पर गहरे तनाव बढ़े हैं तथा सांस्कृतिक टकराव की स्थितियां भी निर्मित हो गई है। इन जटिल स्थितियों ने सबसे ज्यादा चोट दक्षेस की स्थापना को पहुंचाई है जिसका उद्देश्य दक्षिण एशिया को एकजुट करना और इसके देशों के बीच समृद्धि, विकास और शांति को बढ़ावा देना बताया जाता था। हाल ही में बांग्लादेश और पाकिस्तान के राष्ट्राध्यक्ष किसी तीसरे देश में मिले और उनके बीच सार्क को पुनर्जीवित करने पर बात हुई तो इसमें संभावनाएं कम और मनोवैज्ञानिक दबाव की कूटनीति ज्यादा नजर आई। दरअसल, बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद भारत के इस पड़ोसी देश की राजनीतिक परिस्थितियों में भी भारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। लंबे समय से सत्ता पर काबिज शेख हसीना के खिलाफ छात्रों का आंदोलन देश में राजनीतिक परिवर्तन के तौर पर देखा जा रहा था, लेकिन बाद में कट्टरपंथी शक्तियों के प्रभाव में अब यह भारत विरोध के आंदोलन में परिवर्तित हो गया है। बांग्लादेश की मौजूदा अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस की पाकिस्तान के साथ राजनीतिक मुद्दों पर समाधान की जल्दबाजी की कोशिशों में सकारात्मक पहल से ज्यादा भारत पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की कूटनीति ज्यादा नजर आ रही है और इसकी छाया दक्षिण एशिया के देशों के बीच आपसी सहयोग की संभावनाओं को पूरी तरह खत्म कर सकती है। सार्क में आठ देश भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, मालदीव और अफगानिस्तान शामिल है। 8 दिसम्बर 1985 को काठमांडू, नेपाल से शुरू हुए इस क्षेत्रीय संगठन को तीसरी दुनिया के हितों के संरक्षण के लिए उम्मीदों के तौर पर देखा गया था और यह विश्वास किया गया था कि यह एक साझी आवाज होगी जिससे इन देशों को वैश्विक मंच पर अपने मुद्दों को उठाने में मदद मिल सके। दक्षेस का पहला शिखर सम्मेलन 1985 में आयोजित हुआ था और इसके बाद से यह संगठन तमाम विरोधाभासों के बाद भी विभिन्न देशों के नेताओं की बैठकें आयोजित करता रहा है। यह संगठन क्षेत्रीय संघर्ष, आतंकवाद, नशीले पदाथरे की तस्करी और सीमा विवादों के समाधान के संभावनाओं पर भी काम करता है। दक्षिण एशिया दुनिया की सबसे पुरानी ज्ञात सभ्यताओं में से एक सिंधु सभ्यता का घर है और दुनिया की सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है। जातीय, भाषाई और राजनीतिक विखंडन के इतिहास के बावजूद, इस क्षेत्र के लोग एक समान सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टिकोण से एकजुट माने जाते हैं। वैश्विक भुखमरी सूचकांक की एक रिपोर्ट में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका की स्थिति बेहद निम्नतम बताई गई है। जलवायु परिवर्तन और कोविड महामारी से भुखमरी का संकट तो बढ़ा ही है साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की समस्याएं भी विकराल हो गई है। दक्षिण एशिया के कई देश राजनीतिक उथल–पुथल के शिकार रहे हैं और भारत को छोड़कर अन्य देशों में अस्थिरता का अंदेशा बना रहता है। दक्षेस की स्थापना का उद्देश्य दक्षिण एशिया में आपसी सहयोग से शांति और प्रगति हासिल करना बताया गया था, लेकिन विभिन्न देशों के बीच विवाद इस पर पूरी तरह हावी रहे और इसी का परिणाम है कि दुनिया की बड़ी आबादी वाला यह संगठन आर्थिक समस्याओं का समाधान करने में विफल रहा है।

विपक्ष को भी वाक्य की गांठ बांधनी होगी कि 'बंटोंगे तो कटोगे'

अजीत द्विवेदी

दुनिया भर में अंग्रेजी शब्दकोष के लिए वर्ष के शब्द चुने जाते हैं। जैसे ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने 'ब्रेन रॉट' को वर्ष का शब्द चुना है।जब से इसे वर्ष का शब्द चुना गया है, इसके बारे में जानने के लिए करोड़ों लोगों ने इसे सर्च किया। भले ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने इसे वर्ष 2024 का शब्द चुना लेकिन असल में यह शब्द समकालीन समय की वास्तविकताओं का प्रतीक शब्द है।जिस तरह से सोशल मीडिया का कंटेंट देखने पर अरबों घंटे बरबाद हो रहे हैं उससे औसत दिमाग सड़ जाने की स्थिति में ही पहुंच गया है।'ब्रेन रॉट' यानी दिमागी सड़ांध ही वह कारण है, जिसकी वजह से निहित स्वार्थों द्वारा मिसइन्फॉर्मेशन और डिसइन्फॉर्मनेशन कैम्पेन चला कर लोगों के दिमाग को आसानी से प्रभावित किया जा रहा है।मरियम वेबस्टर डिक्शनरी ने वर्ष 2024 के लिए 'पोलराइजेशन' को वर्ष का शब्द चुना है। उसने वैसे तो अमेरिका के राष्ट्रपति के चुनाव में नस्ल के आधार पर हुए ध्रुवीकरण की वजह से इसे वर्ष का शब्द चुना हैलेकिन कहने की जरुरत नहीं है कि भारत के चुनाव और रोजमर्रा की राजनीति के लिहाज से भी यह बहुत उपयुक्त शब्द है। कह सकते हैं कि मरियम वेबस्टर डिक्शनरी का इस वर्ष का शब्द भारत की पिछले कई वर्षों की राजनीतिक हकीकत को प्रकट करने वाला है।ऐसे ही कैम्ब्रिज डिक्शनरी ने 'मैनिफेस्ट' को वर्ष का शब्द चुना है। यह भारत की वास्तविकताओं के लिए यह थोड़ा अनजाना शब्द है क्योंकि यहां कुछ भी मैनिफेस्टेड नहीं होता है यानी बहुत योजनाबद्ध तरीके से सब कुछ तय करके कुछ नहीं किया जाता है। यहां ज्यादातर चीजें भगवान भरोसे होती हैं। इस सनातन मान्यता को तुलसीदास ने 'होइहे सोई जो राम रचि राखा' के दोहे से प्रतीकित किया है। कह सकते हैं कि यहां लोगों का जीवन और कामकाज नियति की 'मैनिफेस्ट' करती है।दुनिया में वर्ष के शब्दों की तलाश के बारे में पढ़ते हुए मन में यह सवाल उठा कि इस वर्ष भारत में कौन सा शब्द या कौन सी बात ऐसी है, जिसे वर्ष की बात कह सकते है? तीन शब्दों से बना यह जुमला कि 'बंटोंगे तो कटोगे', वर्ष 2024 की भारत की बात है।यह जुमला एक खास संदर्भ में कहा गया है। इसके जरिए देश के हिंदुओं से आह्वान किया गया है कि उन्हें एकजुट रहना है ताकि उनके चिन्हित 'दुश्मन' यानी मुसलमान उनको काट नहीं सकें।

इस शाब्दिक अर्थ से अलग इसका भावार्थ यह है कि, 'भाजपा को वोट दें'। परंतु इस शब्दार्थ और भावार्थ से अलग यह जुमला कई और अर्थ प्रतीकित करने वाला है।इसका इस्तेमाल मजाक में ही सही लेकिन बहुत सारी चीजों के लिए होने लगा है। यहां तक कि दोस्तों के बीच सहज भाव से यह जुमला बोला जा रहा है तो परिवारों में भी एकजुटता की जरुरत बताने के लिए इस जुमले का इस्तेमाल हो रहा है।कह सकते हैं कि अर्थ और अभिप्राय दोनों दृष्टि से यह जुमला निर्धारित सीमाओं को तोड़ कर आगे बढ़ गया है।इस जुमले का एक राजनीतिक पाठ तो वह है, जिसे भावार्थ के रूप में ऊपर बताया गया है लेकिन उससे अलग इसका दूसरा पाठ देश की विपक्षी पार्टियों के लिए खास संदेश के रूप में है।

दुनिया में वर्ष के शब्दों की तलाश के बारे में पढ़ते हुए मन में यह सवाल उठा कि इस वर्ष भारत में कौन सा शब्द या कौन सी बात ऐसी है, जिसे वर्ष की बात कह सकते है? तीन शब्दों से बना यह जुमला कि 'बंटोंगे तो कटोगे', वर्ष 2024 की भारत की बात है।यह जुमला एक खास संदर्भ में कहा गया है। इसके जरिए देश के हिंदुओं से आह्वान किया गया है कि उन्हें एकजुट रहना है ताकि उनके चिन्हित 'दुश्मन' यानी मुसलमान उनको काट नहीं सकें। इस शाब्दिक अर्थ से अलग इसका भावार्थ यह है कि, 'भाजपा को वोट दें'। परंतु इस शब्दार्थ और भावार्थ से अलग यह जुमला कई और अर्थ प्रतीकित करने वाला है।इसका इस्तेमाल मजाक में ही सही लेकिन बहुत सारी चीजों के लिए होने लगा है। यहां तक कि दोस्तों के बीच सहज भाव से यह जुमला बोला जा रहा है तो परिवारों में भी एकजुटता की जरुरत बताने के लिए इस जुमले का इस्तेमाल हो रहा है।कह सकते हैं कि अर्थ और अभिप्राय दोनों दृष्टि से यह जुमला निर्धारित सीमाओं को तोड़ कर आगे बढ़ गया है।

वर्ष 2024 में विपक्ष की राजनीति व्यापक एकजुटता के साथ शुरू हुई थी। उस समय तक यह जुमला बोला नहीं गया था। लेकिन विपक्ष ने समझ लिया था कि 'एक रहेंगे तभी सेफ रहेंगे'।दस साल के नरेंद्र मोदी के शासन और भाजपा की राजनीति ने उन्हें यह सीख दी थी कि वे एक हो जाएं और मिल कर भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ें।अगर अवधारणा के स्तर पर देखें तो इसमें नयापन नहीं था। आखिर 1977 में भी विपक्ष ने एकजुट होकर इंदिरा गांधी को हराया था या 1989 में भी एकजुट विपक्ष ने राजीव गांधी को सत्ता से बाहर किया था।परंतु ऐसा लग रहा है कि विपक्ष इस राजनीतिक सबक को भूल चुका था। 2014 के बाद 10 सालों में जिस तरह की राजनीति हुई और उसके जो परिणाम आए उसने विपक्षी पार्टियों को फिर से एकजुट किया।इस एकजुटता को परिभाषित करने लिए साल के जाते जाते तक सूत्र वाक्य भी मिल गया कि 'बंटोंगे तो कटोगे'!सवाल है कि क्या विपक्ष इस सूत्र वाक्य के मुताबिक काम करने को तैयार है या अपनी आत्मघाती आस्था में बंट कर बिखरने और कटने के लिए तैयार है?यह सवाल इसलिए है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी तो इस जुमले के हिसाब से काम करने को तैयार है। हर राज्य में किसी न किसी रूप में यह जुमला बोला जा रहा है।यहां तक कि राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने भी इस जुमले के साथ होने वाली राजनीति पर सैद्धांतिक मुहर लगा दी है। भाजपा की सहयोगी पार्टियों में भी एकाध अपवाद को छोड़ कर सबने कमोबेश इसे स्वीकार कर लिया है। 'बंटोंगे तो कटोगे' जुमले का अर्थ वेबस्टर डिक्शनरी के 'ध्रुवीकरण' शब्द से ज्यादा व्यापक है। ध्रुवीकरण वक्ती होता है। वह थोड़े समय के लिए होता है। किसी व्यापक और ऐतिहासिक खतरे से बचने के लिए एकजुट होने का आह्वान उससे आगे की चीज है। यह कुछ कुछ कंसोलिडेशन यानी समेकन की तरह है।यह धार्मिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत मूल्यों के आधार पर एकजुटता का आह्वान है, जिसका दायरा बहुत व्यापक है।'बंटोंगे तो कटोगे' भले सुनने में बहुत वैचारिक गांभीर्य वाला जुमला नहीं लग रहा हो लेकिन इसका अर्थ और अभिप्राय गहरा है और इसके आधार पर होने वाली राजनीति ज्यादा गंभीर है। विपक्षी पार्टियों को भी इस जुमले के अर्थ और अभिप्राय को समझने की जरुरत है। उनके लिए एकजुटता का अर्थ चुनावी जीत तक सीमित है। उसका कोई सांस्कृतिक, सामाजिक या धार्मिक आयाम नहीं है।इसलिए जैसे ही चुनाव खत्म हुआ है उनकी एकता टूटने लगी है। वे जीत या हार के चुनावी नतीजे को अपने और अपनी पार्टी के राजनीतिक हित के हिसाब से देखते हैं और फिर इस आधार पर व्याख्या करते हैं कि एकजुटता से उनको कितना फायदा हुआ और दूसरे लोगों ने कितना लाभ उठाया।तभी लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस व उसकी सहयोगी पार्टियों में यह घमासान छिड़ गया कि साथ होने से किसको ज्यादा और किसको कम फायदा हुआ है।सब पार्टियां श्रेय लेने लगीं कि विपक्ष उसकी वजह से जीता है। तभी लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद विपक्षी गठबंधन में दरार दिखने लगी, जो राज्यों के चुनाव और संसद का शीतकालीन सत्र समाप्त होने तक चौड़ी खाई में तब्दील हो चुकी है।अगर विपक्षी पार्टियां 'बंटोंगे तो कटोगे' जैसे वर्ष 2024 के सूत्र को अर्थ और अभिप्राय यानी 'लेटर एंड स्पिरिट' में नहीं लेंगी तो उनके लिए आगे की राजनीति मुश्किल होती जाएगी। उनको समझना होगा कि आने वाले अनेक वर्षों तक भाजपा की राजनीति इस सूत्र वाक्य के आधार पर चलेगी। भाजपा को बहुसंख्यक हिंदुओं को इतिहास याद दिला कर यह संदेश स्थापित करना है कि 'बंटोंगे तो कटोगे'।विपक्ष को इस संदेश और इससे बनने वाले नैरेटिव के बरक्स अपना एक विमर्श स्थापित करने की चुनौती है और इस चुनौती का मुकाबला करने की प्राथमिक शर्त एकजुटता है। यानी विपक्ष को भी इस सूत्र वाक्य की गांठ बांधनी होगी कि 'बंटोंगे तो कटोगे'।

भारत को सचमुच एक खुशियों भरे भविष्य की ओर ले गए डॉ. मनमोहन सिंह

श्रुति व्यास

सिर्फ दस साल पहले की बात है, मगर मानों ज़माना गुज़र गया हो। दस साल पहले भारत भूखा था नए विजन, नई दृष्टि का। हर कोई तरक्की और अच्छे दिनों के लिए फडफडाता हुआ था। दस साल पहले लग रहा था, सबकी फील थी, भारत बढ़ रहा है। भारतीय आगे बढ़ रहे हैं।आज, लफ्फाजी और प्रोपेगेंडा है।

मैं, सन् 2007 में, स्काटलैंड में सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय में पढ़ती थी। भारत की राजनीति की न सुध थी और न ज्यादा जानकारी। पतझड़ के आखिरी दिनों की एक सर्द दोपहर में, मैं, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर अपनी टुटोरिअल क्लास शुरू होने का इंतजार कर रही थी। विश्वविद्यालय की इमारत खामोश थी, मानों आराम कर रही हो। सभी लोग लंच के लिए गए हुए थे। मैं लंच और सुकून चैन के मूड में थोड़ी जल्दी वापस पहुंच गई। मेरे अलावा वहां एक और व्यक्ति था, जो अपने कपड़ों से खांटी अमीर,कुलीन अंग्रेज लग रहा था। लेकिन वह था एक मेक्सिकन रईसजादा जो स्विटजरलैंड में रहता था। दुआ–सलाम के बाद हम आमने–सामने बैठ गए और मैं खाना शुरू करने ही वाली थी कि उसने मेरे पर सवाल दागा, क्या तुम्हे इंडियन होने पर गर्व है? मैंने हैरानी और नाराजगी से उसे देखा। वह मेरे चैन, इतमीनान से पैनिनी इम्बोटिटो के स्वाद में खलल थी। वो आंखे फैलाकर लगातार मुझे घूर रहा था। मेरा जवाब जानने को बेताब था। मैंने अपना सैंडविच लपेटते हुए उसकी ओर देखा और बेलौस जवाब दिया, हां, बिलकुल है। लेकिन वो मेरे जवाब से न तो खुश हुआ और ना उसे उस पर भरोसा हुआ। उसने दुबारा पूछा, क्या वाकई तुम्हे गर्व है? (क्या आप सचमुच?) मैंने उसकी ओर सवाल उछाला, क्या तुम्हे अपने मेक्सिकन होने पर गर्व नहीं है। उसने तपाक से कहा नहीं। मैंने हैरानी से उसकी ओर देखा। मैं सोच रही थी कि किसी को अपने देश से प्यार न हो, भला ऐसा कैसे संभव है!

वह भी शायद मेरी ओर देखते हुए सोच रहा था कि इसका उलट कैसे संभव है। इसके पहले कि चर्चा आगे बढ़ती, छात्रों के लौटने का सिलसिला शुरू हो गया। हम दोनों अपने–अपने समूहों से घिर गए और बातचीत यहीं समाप्त हो गई। इसके बाद कभी वह अधूरी चर्चा पूरी न हो सकी।लेकिन मेरे मन में हमेशा सवाल कौंधता रहा कि उसके मन में ऐसा सवाल क्यों आया?जब मैं स्काटलैंड गई थी तब भारत द्रुत गति से फल–फूल रहा था जबकि ब्रिटेन मंदी में डूब–उतर रहा था। जैसा कि मैंने विदेशी विश्वविद्यालयों में प्रवेश हेतु आवेदनों में 'अपने वक्तव्य' में कहा था, भारत बदलाव के कगार और सबसे तेजी से बढने वाली अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। इसमें तब संदेह की कोई गुंजाइश नहीं थी। हमारा शेयर बाजार तेजी से बढ़ रहा था, व्यापार–व्यवसाय में नए प्रयोग हो रहे थे, लोकतंत्र जिंदा था और माहौल उत्साहपूर्ण था। विकसित देशों में रह रहे मेरे मित्र कहते थे, कम से कम तुम्हारे पास तो वापस जाने का विकल्प है ही। भारत में आसानी से तुम्हे काम मिल जाएगा। मैं गर्वित और अच्छा फील करती थी। भारत बदल रहा था और हरेक व्यक्ति इसे देख और महसूस कर सकता था।जब मैं बड़ी हो रही थी तब भी मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि ऐसी कोई चीज है जो मैं खो रही हूं, जो मेरे पास नहीं है। निश्चित तौर पर कुछ नियम–कानून और प्रतिबंध थे, जिनका पालन हमें करना पड़ता था। मगर जिंदगी इतनी बुरी भी नहीं थी। एक बच्ची बतौर मेरा जीवन उदास नहीं था। हम रोज एक घंटे कम्प्यूटर का इस्तेमाल कर सकते थे और शाम को केबिल टीवी देख सकते थे, हमें स्कूल ले जाने के लिए कार थी और समय–समय पर हमें नए आधुनिक खिलौने और गेम मिल जाते थे। ये सभी उस समय भारत में आसानी से उपलब्ध थे। हम लोगों को सिनेमा भी ले जाया जाता था और छुट्टियों में हम शहर के बाहर भी जाते थे।आज जब मैं पीछे मुडक़र उस दौर को याद करती हूं तो मुझे लगता है कि हमारा बचपन खुशनुमा इसलिए था क्योंकि उस दौर में भारत और भारतीय दोनों खुश थे, फालतू की चिंताएं नहीं थी। सब आगे बढ़ रहे थे।और तब उस समय, उसके पीछे थे डॉ. मनमोहन सिंह।मुझे सन् 2004 की धुंधली यादें हैं जब सुषमा स्वराज ने एक बड़ा तमाशा किया था। उन्होंने धमकी दी थी कि अगर सोनिया गांधी प्रधानमंत्री बनी तो वे अपना सिर मुंडवा कर सन्यासिन बन जाएंगीं। मुझे यह भी याद है कि किस तरह सोनिया गांधी ने विपक्ष के भारी शोर–शराबे के बीच यह सिद्ध किया था कि उनका कद उन सबसे ऊंचा है। उन्होंने साफ़ कहा कि वे प्रधानमंत्री बनना नहीं चाहतीं और यह जिम्मेदारी उन्होंने डॉ. मनमोहन सिंह को सौंपने की घोषणा भी की। इस एक्सीडेंटल प्राईम मिनिस्टर ने उसी दिन कहा था कि हम भविष्य को खुशियों से भर देंगे और यही हुआ भी। प्रधानमंत्री बतौर वे भारत को सचमुच एक खुशियों भरे भविष्य की ओर ले गए। दुनिया में तब भारत पर विश्वास था।

सन् 1991 में उन्होने जो बीज बोए थे उनकी फसल काटने का वक्त आ चुका था। सन् 2004 से लेकर 2014 तक प्रधानमंत्री बतौर अपने कार्यकाल में उन्होंने भारत को आधुनिकता और समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ाया। उसे पहले से ज्यादा शक्तिशाली बनाने में भी योगदान दिया। उनके कार्यकाल में अर्थव्यवस्था नौ प्रतिशत की गति से बढ़ी। इतना ही नहीं भारत को लंबे समय बाद अंतर्राष्ट्रीय मंच पर रुतबा हासिल हुआ। उन्होंने अमेरिका के साथ ऐतिहासिक परमाणु संधि की। आईटी सेवाओं के निर्यात के कारण देश में ढ़ेर सारे डालर आ रहे थे। 1991 के मध्य में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार करीब एक अरब डालर का था। उनके कार्यकाल की समाप्ति के समय इस भंडार में 280 अरब डालर थे और अब उसके करीब दो गुना हैं। भारत शाईन कर रहा था और भारतीयों के चेहरों पर भी चमक थी – भारत में भी और विदेश में भी।हमारे साथ कहीं दोयम दर्जे के नागरिकों जैसा व्यवहार नहीं होता था। हमें सम्मान की दृष्टि से देखा जाता था। देश जिस तेज गति से आगे बढ़ रहा था उसे भी दुनिया प्रशंसा की निगाह से देख रही थी। हम चीन से मुकाबिल थे और विकसित देशों के क्लब की सदस्यता हासिल करने की ओर बढ़ रहे थे। आर्थिक मामलों की डॉ मनमोहन सिंह की समझ और उनकी बृद्धिमत्ता ने उन्हें पूरी दुनिया में सम्मान का पात्र बनाया था। देश में एक तरह का चैन और सुकून था। सबको पता था कि शीर्ष पर बैठा आदमी समाज को बांटने वाला नहीं है, वह लोगों को आपस में लड़ाना नहीं चाहता और उसके राज में किसी को भी असुरक्षित महसूस करने की जरूरत नहीं है।

उन दिनों मैं भारतीय राजनीति से दूर थी परंतु मुझे यह जरूर याद है कि उस दौर की राजनीति परिपक्व थी, अर्थपूर्ण थी और काफी तक विचारधारा पर आधारित थी। दिल्ली संकीर्ण सोच वाले बेईमान राजनीतिज्ञों से भरी नहीं थी और ना ही राजनीति का उद्धेश्य केवल अपनी भलाई करना था। संसद में भी एक तरह का खुलापन था। सरकार अपनी आलोचना सुनने को तैयार थी – चाहे वह आलोचना विपक्ष कर रहा हो या प्रेस। संसद में शेरो–शायरी होती थी और असहमतियां, सहमतियों में और सहमतियां, असहमतियों में बदलती रहतीं थीं। सबकी अपनी–अपनी वफादारियां थीं और अपनी–अपनी पसंद–नापसंद भी, मगर एक–दूसरे से नफरत का भाव नहीं था।

शाहिद कपूर की फिल्म देवा का फर्स्ट पोस्टर रिलीज, अमिताभ बच्चन के साथ दिखा खास कनेक्शन

ज़ी स्टूडियोज और रॉय कपूर फिल्म्स की आने वाली एक्शन थ्रिलर देवा का लोगों को बेसब्री से इंतजार है. मेकर्स ने लगातार अपडेट्स देकर ऑडियंस की एक्साइटमेंट को बनाए रखा है. ऐसे में अब इस फिल्म से शाहिद कपूर का नया जबरदस्त लुक पोस्टर रिलीज करके मेकर्स ने एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है. देवा के नए पोस्टर में शाहिद कपूर का लुक काफी दमदार और रॉ लग रहा है. सिगरेट पीते हुए शाहिद का स्टाइल और एटीट्यूड कमाल का दिख रहा है, जिसमें पावर और रफनेस साफ झलक रही है.

पोस्टर को और दमदार बनाता है बैकग्राउंड में 90 के दशक के आइकॉनिक अमिताभ बच्चन की झलक. ये नॉस्टेल्जिया के साथ एक गहराई भी जोड़ता है.

शाहिद का दमदार लुक और बच्चन की ताकतवर मौजूदगी साथ में मिलकर फिल्म के इंटेंस और धमाकेदार होने की ओर इशारा करती है. इससे शाहिद की दमदार परफॉर्मेंस को लेकर एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ गई है.

मशहूर मलयालम डायरेक्टर रोशन एंड्रयूज के डायरेक्शन में बनी और ज़ी स्टूडियोज और रॉय कपूर फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म देवा 31 जनवरी 2025 को रिलीज़ होने वाली है. ये एक धमाकेदार एक्शन थ्रिलर है, जो साल की पहली सबसे बड़ी फिल्म साबित होने वाली है. तो इसका मजा लेने के लिए तैयार हो जाइए.

ऑफ शोल्डर ड्रेस में साउथ की हसीना मालविका मोहनन ने ढाया कहर

साउथ एक्ट्रेस मालविका मोहनन आए दिन अपने ग्लैमरस और बोल्ड लुक्स से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं, जिसमें उनका गॉर्जियस लुक देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। तमिल सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस मालविका मोहनन अपने शानदार और ग्लैमरस लुक्स के लिए जानी जाती हैं। उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर का बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढक़र एक किलर पोज दे रही हैं।

खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

बता दें कि एक्ट्रेस को फिल्म युध्रा में देखा गया था। इस फिल्म में एक्ट्रेस ने अहम किरदार निभाया था। दर्शकों ने इस मूवी में उनकी एक्टिंग को भी काफी पसंद किया था। मालविका मोहनन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

विजय हजारे ट्रॉफी : पंजाब के ओपनर प्रभसिमरन ने लगाया एक और शतक

हैदराबाद। पंजाब के ओपनर प्रभसिमरन सिंह इस समय शानदार फॉर्म में हैं। प्रभसिमरन सिंह ने विजय हजारे ट्रॉफी में शतकों की हैट्रिक लगाई। दाएं हाथ के ओपनर ने शुक्रवार को हैदराबाद के खिलाफ 105 गेंदों में 20 चौके और तीन छक्के की मदद से 137 रन बनाए।पंजाब ने प्रभसिमरन के शतक के अलावा कप्तान अभिषेक शर्मा (93) और रमनदीप सिंह (80) की उम्दा पारियों के दम पर लगातार दूसरे मैच में 400 रन के पार का स्कोर बनाया। पंजाब ने हैदराबाद के खिलाफ निर्धारित 50 ओवर में 4 विकेट खोकर 426 रन बनाए।पंजाब किंग्स द्वारा आईपीएल 2025 के लिए 4 करोड़ रुपये में रिटेन किए गए प्रभसिमरन सिंह ने जबरदस्त

प्रदर्शन करते हुए लगातार तीसरा शतक जमाया। उन्होंने हैदराबाद (137) से पहले मुंबई और सौराष्ट्र के खिलाफ क्रमशः 150* और 125 रन की पारी खेली थी। पंजाब किंग्स को इस खिलाड़ी को रिटेन करने के लिए खुद पर नाज जरूर होगा। बता दें कि कर्नाटक के मयंक अग्रवाल ने इससे पहले लगातार तीन शतक जड़े थे। प्रभसिमरन सिंह के अलावा कप्तान अभिषेक शर्मा (93) और रमनदीप सिंह (80) ने उम्दा पारियां खेलकर पंजाब को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन ने पहले विकेट के लिए 196 रन की साझेदारी की। बाएं हाथ के पंजाबी मुंडे ने केवल 72 गेंदों में 7 चौके और 6 छक्के की मदद से 93 रन बनाए। वह अपना शतक 7 रन से चूक गए। आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए खेलने वाले रमनदीप सिंह ने भी अपने प्रदर्शन से तबाही मचाई। उन्होंने केवल 53 गेंदों में 6 चौके और चार छक्के की मदद से 80 रन बनाए। रमनदीप ने 150.94 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। वह आउट होने वाले पंजाब के आखिरी बल्लेबाज रहे। नेहल वढेरा (35*) और नमन धीर (14*) ने पंजाब को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

सिडनी टेस्ट में टीम इंडिया की हालत खराब, 185 पर ही ऑलआउट हुई पूरी टीम

सिडनी, ऑस्ट्रेलिया के साथ खेले जा रहे सिडनी टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. लेकिन, टीम अपने फैसले को सही साबित नहीं कर सकी और सिर्फ 185 के स्कोर पर ही ऑलआउट हो गई. अब यदि भारत को सिडनी टेस्ट में वापसी करनी है, तो भारतीय गेंदबाजों को कंगारू टीम को कम से कम स्कोर पर ऑलआउट करना होगा. टीम इंडिया की कप्तानी करने आए जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. जहां, पहले बैटिंग करने आई भारतीय टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई. भारत का एक भी बल्लेबाज फिफ्टी तक भी नही पहुंच सका. ऋषभ पंत ने 98 गेंदों पर 40 र की पारी खेली, जो भारतीय टीम की सबसे बड़ी पारी रही. इसके अलावा यशस्वी जायसवाल 10, केएल राहुल 4, शुभमन गिल 20, विराट कोहली 17, रवींद्र जडेजा 26, वॉशिंगटन सुंदर 14, प्रसिद्ध कृष्णा 3, जसप्रीत बुमराह 22 और नितीश कुमार रेड्डी 0 पर ही आउट हो गए.

अपनी मर्जी से नहीं गौतम गंभीर के चलते बेंच पर बैठने मजबूर हुए रोहित शर्मा

सिडनी, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे सिडनी टेस्ट मैच में रोहित शर्मा प्लेइंग–11 का हिस्सा नहीं हैं. उनकी जगह टीम इंडिया की कमान संभाल रहे जसप्रीत बुमराह ने टॉस पर बताया कि रोहित ने रेस्ट करने का फैसला किया है. लेकिन, अब खबर सामने आ रही है की हेड कोच गौतम गंभीर ने हिटमैन को अंतिम ग्यारह से बाहर किया है. ऑस्ट्रेलिया के साथ खेली जा रही बॉर्डर–गावस्कर सीरीज में रोहित शर्मा खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं. उनके बल्ले से एक भी अच्छी पारी नहीं निकली है, जिसकी वजह से हेड कोच गौतम गंभीर रोहित को प्लेइंग–11 से बाहर करने पर अड़ गए थे.दरअसल, गंभीर किसी भी कीमत पर सिडनी टेस्ट जीतकर टीम इंडिया को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की रेस में बनाए रखना चाहते थे. इसलिए इस वक्त वह प्लेइंग इलेवन को लेकर कोई भी समझौता नहीं करना चाहते. यही वजह है कि वह खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित को अंतिम ग्यारह से बाहर कर शुभमन गिल को मौका देना चाहते थे. गौतम गंभीर रोहित शर्मा को सिडनी टेस्ट में ना खिलाने को लेकर अड़ गए थे. जबकि उनका फैसला बदलने के लिए बीसीसआई के बड़े अधिकारी ने भी कोशिश की. रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि गंभीर के इस फैसले को बदलने के लिए बीसीसीआई के एक बड़े अधिकारी ने गंभीर से रिक्वेस्ट की और तो और ये तक कहा कि इसके बाद रोहित टेस्ट से रिटायरमेंट ले लेंगे. लेकिन, गंभीर नहीं माने और आखिरकार उन्होंने रोहित को बेंच पर बैठा ही दिया. भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर और रोहित शर्मा के बीच रिश्ते ठीक नहीं हैं. रिपोर्ट्स में कई बातें निकलकर सामने आ रही हैं. बताया जा रहा है की दोनों के बीच बातचीत भी नहीं हो रही है. सिडनी टेस्ट से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी गंभीर ने कहा था कि उनकी रोहित से सिर्फ सिडनी टेस्ट को लेकर बात हुई है, इसके अलावा उनके बीच कोई बात नहीं हुई.

एक नजर

चुनाव चिन्ह् आवंटित होते ही चुनाव प्रचार में जुटे प्रत्याशी

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम श्रीनगर मेयर के लिये पांचों प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित कर दिये गये हैं। भाजपा से आशा उपाध्याय, कांग्रेस की मीना रावत, निर्दलीय प्रत्याशी आरती भंडारी और पूनम तिवाड़ी और उत्तराखंड क्रांति दल की प्रत्याशी सरस्वती देवी चालीस वार्डों में कार्यकर्ताओं के साथ प्रचार-प्रसार में जुट गई हैं। भाजपा जहां जनता के बीच नगर में सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं और कैबिनेट मंत्री स्थानीय विधायक डॉ. धन सिंह रावत के विकास कार्यों को लेकर मतदाताओं से वोट की अपील कर रहे हैं। दूसरी ओर कांग्रेस एक-एक वोट को अपने कुनबे में इकट्ठा करती हुई नजर आ रही है। निर्दलीय प्रत्याशियों की बात करें तो भाजपा से बगावत कर बैठी पूर्व ब्लॉक प्रमुख, निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य आरती और पूर्व में कांग्रेस से पालिकाध्यक्ष रहीं पूनम राष्ट्रीय पार्टियों के लिये सिरदर्द बन सकती हैं। श्रीनगर मेयर के लिये पांचों महिलाएं चुनावी रण को फतह करने के लिये क्या कुछ पैंतरें चलेंगी यह सभी नगरवासियों में इन दिनों चर्चा का विषय बना है। (एजेंसी)

राइंका गुलियार के परिचारक को किया निलंबित

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : शिक्षा विभाग ने विभिन्न आरोपों के चलते थलीसैंण ब्लाक के राजकीय इंटर कॉलेज गुलियार के परिचारक को निलंबित कर दिया है। निलंबित परिचारक को उपशिक्षाधिकारी कार्यालय (प्राशि) थलीसैंण में संबद्ध किया गया है। परिचारक को 15 दिन के भीतर जांच अधिकारी के समक्ष अपना पक्ष रखने के भी निर्देश दिए गए हैं।

जिला शिक्षाधिकारी प्रांरभिक शिक्षा रणजीत सिंह नेगी ने बताया कि थलीसैंण के राइंका गुलियार के परिचारक सचिदानंद पर उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने, स्कूल में शराब पीकर आने, कार्यालय में कर्मचारियों के साथ अभ्रदता करने, अनुशासनहीनता व राजकीय कार्यों के प्रति लापरवाह रहने के आरोप लगे हैं। जिसकी थलीसैंण के खंड शिक्षाधिकारी की जांच में भी पुष्टि हुई है। बताया कि थलीसैंण के खंड शिक्षाधिकारी ने अपनी जांच में छात्र-छात्राओं के हित में एसएमसी बैठक प्रस्ताव में कठोर कार्रवाई का उल्लेख भी किया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त आरोपों के चलते व बीईओ की प्रथम दृष्टया जांच पर उक्त परिचारक को निलंबित करते हुए उपशिक्षाधिकारी कार्यालय (प्राशि) थलीसैंण में संबद्ध कर दिया गया है।

बीजेपी के महामंत्री ने दिया इस्तीफा

श्रीनगर गढ़वाल : भाजपा के व्यापार प्रकोष्ठ श्रीनगर के जिला महामंत्री सुजीत अग्रवाल ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता एवं पद से इस्तीफा दे दिया है। भाजपा जिलाध्यक्ष और मंडल अध्यक्ष को भेजे पत्र में उन्होंने अस्वस्थता के चलते पार्टी से इस्तीफा देने की बात कही है। (एजेंसी)

पुलिस ने गुमशुदा नाबालिग को बरामद किया

रुद्रप्रयाग : क्षेत्र के गुमशुदा नाबालिग को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर अगस्त्यमुनि से खोज निकाला। परिजनों ने नाबालिग को सकुशल परिजनों मिलने पर पुलिस का आभार जताया। बीते 2 जनवरी को को थाना गुप्तकाशी में परिजनों ने नाबालिग बालक के बिना बताए कहीं चले जाने की सूचना दी। थाना गुप्तकाशी पुलिस ने सूचना को गम्भीरता से लेते हुए परिजनों को ढांढस बंधाकर हर संभव मदद का आश्वासन दिया। थाना गुप्तकाशी पुलिस टीम ने सुरागरसी-पतारसी करते हुए गुमशुदा के मिलने के सभी सम्भावित स्थानों पर तलाश करते हुए 24 घण्टों के अन्दर ही गुमशुदा बालक को अगस्त्यमुनि से बरामद किया।

ठंड में बढ़ने लगे हार्ट व ब्रेन स्ट्रोक के मरीज

राजकीय बेस चिकित्सालय में प्रतिदिन पहुंच रहे सैकड़ों मरीज

कोटद्वार के राजकीय बेस चिकित्सालय में उपचार को पहुंचे मरीज

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नए साल के साथ ही ठंड का प्रकोप भी बढ़ने लगा है। लगातार बढ़ रही ठंड के साथ ही अस्पताल में हार्ट व ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगी है। बेस अस्पताल के साथ ही निजी अस्पतालों में कई मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। चिकित्सक मरीज व तीमारदारों को ठंड में सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। जहां तक संभव हो, सुबह के समय कोहरे व शीत लहर के बीच बाहर निकलने से बचें। अस्थमा के मरीजों के लिए यह मौसम जानलेवा साबित हो सकता है।कोटद्वार क्षेत्र में कोहरे व शीतलहर का प्रकोप भी छाने लगा है। शुक्रवार को चार दिन के बाद शहर में सूरज के दर्शन हुए। ऐसे में लगातार बढ़ रही ठंड दिल व दिमाग पर भारी पड़ रही है। पिछले कुछ दिनों से राजकीय बेस चिकत्सालय कोटद्वार के साथ ही निजी अस्पतालों में हृदय रोग के साथ ही अस्थमा पीड़ितों की संख्या बढ़ने लगी है। साथ ही ब्रेन स्ट्रोक के मामले भी बढ़ रहे हैं। ऐसे में चिकित्सक ठंड के मौसम में सावधानियां बरतने की सलाह दे रहे हैं। यह मौसम सबसे अधिक घातक दिल व दिमाग के मरीजों के लिए है।

सिकुड़ जाती हैं धमनियां

ठंड बढ़ने के कारण रक्त गाढ़ा हो जाता है, जिसका सीधा असर धमनियों में रक्त प्रवाह पर पड़ता है। ऐसे में ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। जिससे ब्रेन स्ट्रोक खतरा पैदा हो जाता है। ठंड के इस मौसम में सुबह की सैर सेहत पर भारी पड़ सकती है। वरिष्ठ नागरिकों को ठंड से बचाकर रखना चाहिए।

इन बातों का रखे ध्यान

1. घर से बाहर पर्याप्त कपड़े पहन कर ही निकलें। 2. संतुलित, पोषक और ताजा भोजन खाएं। नमक का सेवन कम करें। 3. अस्थमा के मरीजों के लिए कोहरा घातक साबित होता है। अस्थमा के मरीजों को कोहरा में घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। 4. हृदय रोगी नियमित दवा लेते रहें। 5. रक्तचाप के रोगियों को भी लगातार दवा लेती रहती चाहिए। 6. ठंडी चीजों का सेवन करने से बचें।

चोरगढ़ मल्ला ने जीती रस्सा कस्सी प्रतियोगिता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : स्व. मनवर सिंह रावत स्मृति में आयोजित रस्सा-कस्सी का मुकाबला चोरगढ़ मल्ला के नाम रहा। प्रतियोगिता में 12 से अधिक टीमों ने प्रतिभाग किया।

राजकीय इंटर कालेज धुमाकोट में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ सामाजिक संस्था बीएम फाउंडेशन की अध्यक्ष विनीता नेगी ने कहा कि उन्होंने युवाओं को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान रस्सा-कस्सी के लिए नैनीडांडा प्रखंड की 12 टीमों ने प्रतिभाग किया था।

प्रतियोगिता के बेस्ट आफ पांच मुकाबले में चोरगढ़ ने कसाना पल्ला को 3-2 से हराया। इस दौरान वालीबाल के लिए 16 टीमों ने अपना पंजीकरण करवाया है। इस मौके पर वीरेंद्र सिंह, बृजराज सिंह, विजयपाल सिंह, सत्यपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

ठंड में भी सूखे कंठ, पानी को तरसे ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दुगड्डा के अंतर्गत धरगांव समेत तीन गांवों में पिछले चार दिन से पेयजल संकट बना हुआ है। नतीजा, ठंड के मौसम में ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि ग्रामीण किसी तरह पानी की व्यवस्था कर हलक तर करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत के बाद भी जल संस्थान के अधिकारी और कर्मचारी पेयजल लाइन की मरम्मत नहीं करा रहे हैं।

धरगांव निवासी जावेद अहमद, नसीम अहमद, खुर्शीद अहमद, निसार अहमद, सलील अहमद, इमामुद्दीन और रईस अहमद आदि ने बताया कि उनके गांव समेत आसपास के गांव अमगड़ी और सौंटियालधार में चरेख पेयजल योजना से पेयजल की आपूर्ति होती है। चार दिन पहले सिमलखेत गांव में पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होने से तीनों गांवों के करीब 72 परिवार पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। कहा कि सबसे ज्यादा दिक्कत धरगांव के 40 परिवारों को हो रही है। गांव के आसपास कोई प्राकृतिक स्रोत नहीं है। एक पुरानी डिग्गी है, जिसमें बहुत कम पानी आता है।

इसी डिग्गी से पानी ढोकर ग्रामीण किसी तरह अपना हलक तर कर रहे हैं। कहा कि ग्रामीण बुधवार और बृहस्पतिवार को पेयजल लाइन की मरम्मत करने गए थे, लेकिन संसाधनों के अभाव में सफलता नहीं मिल पाई। ग्रामीणों ने जल संस्थान के अधिकारियों व कर्मचारियों से पेयजल लाइन की जल्द मरम्मत कराकर तीनों गांवों में पेयजल की आपूर्ति सुचारु करने की मांग उठाई है।

चुनाव चिह्न मिलते ही प्रत्याशियों ने प्रचार किया तेज

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : स्थानीय निकाय चुनाव के लिए शुक्रवार को चुनाव चिह्नों का आवंटन होने के साथ ही अब प्रत्याशियों ने जीत की रणनीति बनाने के साथ ही प्रचार-प्रसार तेज कर दिया है। नगर निकाय की चुनाव प्रक्रिया के तहत शुक्रवार को अध्यक्ष और सभासद पद के निर्दलीय प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित किए गए। अब चुनाव चिन्ह मिलते ही ये सभी प्रत्याशी समर्थकों के साथ सक्रिय हो गए हैं। पौड़ी नगर पालिका की महिला सीट पर बीजेपी, कांग्रेस के साथ ही बीजेपी की 4 बागी मैदान में हैं। शुक्रवार की चुनाव चिन्हों के आवंटित होते ही उम्मीदवारों के चेहरे पर खुशी दिखाई देने लगी है। पार्टी प्रत्याशी के समर्थकों में भी उत्साह देखने को मिला। प्रत्याशी अब अपनी पूरी ताकत के साथ मतदाताओं को लुभाने में लग गए हैं। शुक्रवार को चुनाव चिह्न आवंटन की प्रक्रिया के तहत बीजेपी से बागी बीरा भंडारी को पानी की बाल्टी, कुसुम चमोली को गुड़िया, प्रियंका थपलियाल को पतंग और हिमानी नेगी को कप प्लेट चुनाव चिह्न मिला। चुनाव चिह्न मिलने के बाद सभी प्रत्याशियों ने अपना चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। सभी प्रत्याशियों ने अपनी जीत का दावा भी किया। नगर पालिका पौड़ी अध्यक्ष पद के आरओ एवं एसडीएम दीपक रामचंद्र शेट ने बताया कि शुक्रवार को अध्यक्ष व सभासदों पदो के प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न बांट दिए गए है।

बिड़ला परिसर के अनुराग करेंगे गणतंत्र परेड में प्रतिभाग

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के बिड़ला परिसर श्रीनगर के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का अनुराग सिंह पंवार इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेगा। बिड़ला परिसर श्रीनगर के एनएसएस प्रकोष्ठ की कार्यक्रम समन्वयक डा. किरन वर्मा ने बताया कि एनएसएस प्रकोष्ठ के सौजन्य से 15 अक्तूबर को चौरास परिसर में प्री-आरडी परेड कैंप आयोजित किया गया था। जिसमें से 4 स्वयं सेवियों का चयन किया गया था। जिसमें से गढ़वाल क्षेत्र में मात्र एक स्वयं सेवी का चयन हुआ है। बताया कि स्वयं सेवी अनुराग सिंह पंवार को दिल्ली में आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड में प्रशिक्षण के लिए बुलाया गया है। एनएसएस स्वयं सेवी के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. एमएमएस रौथाण, राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. सुनैना रावत, एनएसएस पौड़ी जिले के समन्वयक प्रो. ओके बेलवाल, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. एमएस नेगी, डा. किरन वर्मा, प्रो. आरएस नेगी ने स्वयं सेवी को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। (एजेंसी)

संगठन ने सावित्री बाई फुले को किया याद

कोटद्वार के सिम्मलचौड़ में आयोजित कार्यक्रम में सावित्रीबाई फुले को श्रद्धांजलि देते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शैलशिल्पी विकास संगठन की ओर से भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान सदस्यों ने सावित्री बाई फुले के बताएं मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

शुक्रवार को सावित्री बाई फुले की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सिम्मलचौड़ स्थित कर्मवीर जयानंद भारती स्मृति पुस्तकालय में आयोजित कार्यक्रम में सदस्यों ने सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

संगठन के अध्यक्ष विकास कुमार आर्य ने कहा कि सावित्री बाई फुले ने बालिकाओं के लिए शिक्षा का प्रकाश फैलाया। वह विभिन्न सामाजिक बुराईयों से लड़ते हुए दबे-कुचले व वंचित समाज की आवाज बनी। कहा कि भारत सरकार को सावित्रीबाई फुले के योगदान को देखते हुए उन्हें भारत रत्न देना चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता पुष्पा देवी ने कहा कि युवाओं को देश की सेवा में अपना योगदान देने वालों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने प्रदेश सरकार से सावित्रीबाई फुले की जीवनी को स्कूल के पाठ्यक्रम में शामिल करने की भी मांग उठाई। इस मौके पर विरजा देवी, सुमन देवी, अनूप कुमार पाठक, जगदीश राठी, शिवकुमार, आशीष कुमार, सतीश कुमार, हर्ष कुमार, सोमपाल सिंह, किरन देवी आदि मौजूद रहे।

स्वयं सेवियों ने चलाया स्वच्छता अभियान

राजकीय बालिका इंटर कालेज घमंडपुर में स्वच्छता अभियान चलाती छात्राएं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत राजकीय बालिका इंटर कालेज घमंडपुर की छात्राओं ने एनएसएस शिविर के दौरान स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान आमजन को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

आयोजित सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि गृह उद्योग लीसा समिति के अध्यक्ष भुवन मोहन सिंह गुसाईं ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने गढ़वाली, कुमाउंनी व हिंदी गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रासेयो के जिला समन्वयक परितोष रावत व कार्यक्रम अधिकारी एकता वर्मा ने विद्यार्थियों को रासेयो के महत्व के बारे में बताया। कहा कि रासेयो शिविर के माध्यम से हमें समाज सेवा की प्रेरणा मिलती है। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ विद्यालय में होने वाली अन्य गतिविधियों में भी प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। कहा कि इससे विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। शिविर के दौरान छात्राओं ने विद्यालय परिसर के साथ ही आसपास के क्षेत्र में भी स्वच्छता अभियान चलाया। कहा कि हमें सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा डालने के बजाय कूड़ेदान का उपयोग करना चाहिए। इस दौरान शिविर में दी गई जानकारियों को अधिक से अधिक जनों तक पहुंचाने की भी अपील की गई। इस मौके पर अजयपाल, डा. रमाकांत कुकरेती, अंबेश पंत आदि मौजूद रहे।

विवि. को मिली एमएससी, एमएलटी व बीपीटी की अनुमति

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अन्तर्गत झंडीचौड़ स्थित भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय में अब एमएससी एमएलटी व बीपीटी की पढ़ाई भी होगी। विवि के प्रतिकुलपति प्रो. पीएस राणा ने बताया कि विश्वविद्यालय को शासन द्वारा उक्त कोर्सों हेतु 30-30 सीटों की अनुमति मिल गयी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रम होने से छात्र अपनी रुचि के अनुसार विषय का चयन कर सकेंगे। साथ ही कहा कि विश्वविद्यालय गुणवत्तायुक्त शिक्षा व छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु दृढ संकल्पित है। विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. अनिल सिंह, चेयरपर्सन डॉ. आशा सिंह, डॉ. विभांशु, विक्रम सिंह ने नये पाठ्यक्रमों की अनुमति मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

जिला अस्पताल में ज्वॉइनिंग देने को तैयार नहीं विशेषज्ञ चिकित्सक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिले पौड़ी के जिला अस्पताल की व्यवस्था पटरी पर नहीं आ पा रही है। शासन के आदेश के बाद भी विशेषज्ञ चिकित्सक जिला अस्पताल में ज्वॉइनिंग देने को तैयार नहीं है। एक पीएमएस सहित 10 विशेषज्ञ चिकित्सकों ने तीन दिन बीत जाने के बाद भी ज्वॉइनिंग नहीं दी है। हालांकि व्यवस्था के तौर पर जिले के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से 9 चिकित्सकों को जिला अस्पताल में तैनात किया गया है।

नए साल से जिला अस्पताल का संचालन स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया जा रहा है, लेकिन एक भी विशेषज्ञ चिकित्सक के नहीं आने से स्वास्थ्य सुविधाओं को पटरी पर लाने के लिए विभाग को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। प्रभारी पीएमएस व एसीएमओ डॉ. रमेश कुंवर ने बताया कि जिला अस्पताल में 32 नर्सिंग अफसरों ने पदभार संभाल लिया है। बताया कि तीसरे दिन भी सामान्य ओपीडी 80 से 100 की बीच रही। मेडिकल अफसर डॉ. सौरभ बौंठियाल ने शुक्रवार को मरीजों का निरीक्षण किया। सीएमओ डॉ. प्रवीण कुमार ने बताया कि 10 विशेषज्ञ चिकित्सकों में से हरिद्वार से तीन व टिहरी से एक को डीजी हेल्थ ने एकतरफा रिलीफ कर दिया है। वे जल्द ही पौड़ी अस्पताल में सेवाएं देनी शुरू करेंगे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल अभियन्ता/II/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या, दिनांक	291-DRM-MB-24-25 Date 03.01.2025
कार्य का नाम	Construction of EI building at BGH station in connection with Replacement of old PI with EI for BGH station of Moradabad Division.
टेंडर क्लोसिंग दिनांक/समय	28.01.2025 16:00 Hrs.
अनुमानित लागत (रु.)	72,63,229.58
धरोहर राशि (रु.)	1,45,300.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	14.01.2025
आफर की वैधता	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह

नं.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 03.01.2025 44/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

विद्यार्थियों को बताया रासेयो का महत्व

श्री गुरु राम राय इंटर कालेज दिउला पौखाल में आयोजित शिविर का शुभारंभ करती निवर्तमान ब्लाक प्रमुख रुचि कैंत्यूरा व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पौखाल स्थित श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज दिउला में एनएसएस शिविर का शुभारंभ हो गया है। इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को एनएसएस के महत्व के बारे में बताया। विद्यालय में आयोजित शिविर का शुभारंभ दुगड्डा की निवर्तमान ब्लाक प्रमुख रुचि कैंत्यूरा ने दीप प्रज्जवलित कर किया। उन्होंने कहा कि एनएसएस के शिविर भविष्य निर्माण में सहायक होते हैं। स्वयं सेवियों को इस शिविर में मिलने वाले ज्ञान को अपने अन्य साथियों के साथ भी साझा करना चाहिए। प्रधानाचार्य प्रदीप बिष्ट ने विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि विद्यार्थियों को पूरी मेहनत के साथ लक्ष्य को पाने की तैयारी करनी चाहिए। शिक्षक डा. शशिभूषण अमोली ने कहा कि शिविर के दौरान विद्यालय के साथ ही आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। साथ ही ग्रामीणों को भी स्वच्छता, पर्यावरण व नशा सहित अन्य विषयों के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस मौके पर निवर्तमान कनिष्क प्रमुख अशोक रावत, ललित मोहन सिंह, राजेंद्र सिंह, सविता नेगी, रमा तोमर आदि मौजूद रहे।

चुनाव प्रबंध समिति का गठन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारतीय जनता पार्टी ने सतपुली नगर पंचायत चुनाव के कुशल संचालन के लिए चुनाव प्रबंधन समिति का गठन कर लिया गया है। चुनाव प्रभारी जगमोहन रावत ने चुनाव प्रबंधन समिति की घोषणा करते हुए 24 कार्यकर्ताओं को दायित्व सौंपा है। प्रबंधन समिति के चुनाव में विनोद घिल्डियाल, बृजमोहन रावत, मनमोहन बलूनी, विनोद बिष्ट, गणेश रावत, रणवीर सिंह रावत, अंकित कुमार, मनोज खंतवाल, उपेंद्र सिंह नेगी, भागवंती देवी, ममता ध्यानी, दीप चंद्र, चिरंजीव धस्माना, पुष्पा असवाल, ममता रावत, यशराज रावत, अंकित ठाकुर, अशोक सहित अन्य लोगों को जिम्मेदारी दी गई है।

शिक्षा से शिखर तक एनजीओ द्वारा उत्तराखंड में महिला सशक्तिकरण हेतु बढ़ाए कदम

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : शिक्षा से शिखर तक एनजीओ द्वारा निरंतर उत्तराखंड मे नारी सशक्तिकरण की राह में पुनः विगत वर्षों की भांति ही इस वर्ष भी नारी निकेतन देहरादून में विशिष्ठ अतिथि उत्तराखंड राज्य महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती कुसुम कंडवाल के सहयोग से नारी निकेतन में उनके दिनचर्या हेतु आवश्यक सामग्री व मिष्ठान वितरण किया गया।

संस्था की अध्यक्ष रजनी ढौंडियाल जोशी ने जानकारी दी कि जन्मभूमि देवभूमि के सर्वांगीण विकास हेतु वो सदा तत्पर रहती है और इसे अपना कर्तव्य मानती हैं। कहा कि संस्था सदा से ही महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा तत्पर रहती है और ये प्रयास सतत जारी हैं। उत्तराखंड राज्य महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती कुसुम कंडवाल व संस्था के बोर्ड मेंबर व व्यवसाई नरेंद्र पयाल के सहयोग से नारी निकेतन में रह रहीं महिलाओं व बालिकाओं के स्वस्थ और सुरक्षित जीवन हेतु आवश्यक सामग्री वितरित की गई। वहीं बालिकाओं की दैनिक दिनचर्या जिसमें उनके आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रशिक्षण दिया जाता है कार्यों को देखकर उन्हें प्रोत्साहित कर सराहना की गई। इस अवसर पर महिला आयोग की अध्यक्ष ने भविष्य में नारी निकेतन में जरूरी आवश्यक सामग्री हेतु आपसी सहयोग और आपसी सामंजस्य से कार्यों को करने की इच्छा जताई। इस मौके पर प्रीति सिंह सहित नारी निकेतन के समस्त कर्मचारी, महिलाएं उपस्थित रहें।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/III/मुरादाबाद द्वारा ई–टेंडर निम्न टेंडर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेंडर संख्या/दिनांक	289-DRM-MB-24-25 Date: 02.01.2025
कार्य का नाम	Pre and post tamping track measurement survey using Gedo Vorsys trolley system in the jurisdiction of Sr. DEN/III/MB
टेंडर क्लोजिंग दिनांक/समय	27.01.2025 at 16:00
अनुमानित लागत(₹)	₹69,63,840.00
धरोहर राशि(₹)	₹1,39,300/-
बिडिंग स्टार्ट तिथि	13.01.2025
ऑफर की वैधता	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	08 Months

No. 75-W/2/3/WA/Publication Dated: 02.01.2025 25/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

अधिसूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उत्तर रेलवे, मुरादाबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुरादाबाद मण्डल के निम्नलिखित हॉल्ट स्टेशन पर टिकट बुकिंग अभिकर्ता की नियुक्ति किये जाने हेतु प्रार्थना पत्र आमंत्रित किये जाने हैं।

क्र.सं.	हॉल्ट का नाम	(Depot) सेवित स्टेशन	किन–किन स्टेशन के बीच
1.	गंजमुरादाबाद	बामामऊ	मल्लॉवा–बॉगरमऊ
2.	अटवाकुरसठ	बामामऊ	बालामऊ–माधौगंज
3.	चुचैलाकलॉ	गजरौला	मंडीधनौरा–चाँदपुरस्याउ
4.	आध्यामिक नगर	हापुड़	डासना, महरौली
5.	चदंसारा	हापुड़	खरखौदा, नूरनगर
6.	सिरसी मखदूमपुर	सम्भल हातिमसराय	सम्भल हातिमसराय, हजरतनगर
7.	कस्तकलॉकास्माबाद	हापुड़	हापुड़, पिलखुआ
8.	बहादुरपुर	शाहजहांपुर	बन्थरा, तिलहर

सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन दिनांक 27.01.2025 को 10:00 बजे 14:00 बजे तक सहायक वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय मण्डल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद के कमरे में रखे हुए बॉक्स में डाले जायेंगे तथा 14:00 बजे के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। उसी तिथि में 27.01.2025 को आवेदनकर्ता या उनके प्रतिनिधियों के सामने आवेदक खोले जाएंगे। यदि दिनांक 27.01.2025 को कोई अवकाश होता है तो आवेदन अगले कार्य दिवस में यथा समय डाले व खोले जायेंगे। आवेदन पत्र पात्रता, नियम व शर्तों का पूर्ण विवरण उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है या मण्डल रेल प्रबंधक वाणिज्य शाखा से जानकारी ली जा सकती है। विलम्ब से प्राप्त हुंए आवेदन–पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

सं.: 20/हाल्ट ठेका आवंटन/मुरादाबाद मंडल/2023.सी

दिनांक 03.01.2025 39/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नजर

अशासकीय माध्यमिक स्कूलों में चतुर्थ श्रेणी की नियुक्ति पर चर्चा

देहरादून। उत्तरांचल प्रधानाचार्य परिषद दून इकाई की एक बैठक शुक्रवार को श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज नेहरू ग्राम में हुई। प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश चंद्र सुयाल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में गोल्डन कार्ड, अशासकीय माध्यमिक स्कूलों में चतुर्थ श्रेणी की नियुक्ति और डाउनग्रेड प्रकरण सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

सबसे पहले जिला अध्यक्ष दिनेश चंद्र भट्ट ने अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों की विभिन्न समस्याओं के बारे में कार्यकारिणी को बताया। जिस पर तमाम लोगों ने अपने अपने विचार रखे। इसके बाद ये तय किया गया कि अब समस्याओं के समाधान के लिए शासन स्तर पर आर पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। इस दौरान जिला इकाई के नवीन सदस्य अंकित डोबरियाल प्रधानाचार्य को सदस्यता ग्रहण कराई गई। अंत में सभी ने शपथ ली कि सभी विद्यालयों को एकजुट होकर काम करना होगा। बैठक में एसजीआरआर नेहरूग्राम की प्रधानाचार्य प्रतिभा पाठक, अवतार सिंह चावला, दमयंती पंद्रियाल, मीनू बाला, गिरीश दत्त और दीपाली जुगराण सहित कई लोग मौजूद रहे।

एसएसपी पुलिस लाइन में साल की पहली परेड में पहुंचे

देहरादून। पुलिस लाइन देहरादून में शुक्रवार को साल की पहली परेड आयोजित की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने परेड और पुलिस लाइन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

परेड में जनपद के विभिन्न थानों, कार्यालयों, आरटीसी, पुलिस लाइन में नियुक्त पुलिस कर्मियों ने हिस्सा लिया। एसएसपी ने फिजिकल फिटनेस के लिए नियमित रूप से पुलिस कर्मियों की परेड कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अश्वरोही दस्ते में हाल में शामिल हुए नए घोड़ों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। कहा कि घोड़ों के खान–पान का ध्यान रखें।

मरीज को लेकर सोशल मीडिया पर फैलाई अफवाह

देहरादून। देहरादून ऑर्थोपेडिक सोसायटी की ओर से शुक्रवार को एमजे रेजीडेंसी में प्रेस वार्ता की गई। पदाधिकारियों ने बताया कि एक व्यक्ति सोशल मीडिया पर अफवाह फैला रहा है कि सिनर्जी अस्पताल के ऑर्थोपैडिक चिकित्सक डॉ प्रवीण मित्त ने दुर्घटना में घायल होने के बाद अस्पताल पहुंची महिला मरीज को हड्डी टूटी नहीं होने के बावजूद ऑपरेशन की सलाह दी। इसके बाद वही महिला मैक्स अस्पताल पहुंची। जहां सीटी स्कैन करवाने पर हड्डी कई टूकड़ों में टूटी पाई गई।

7 नगर निकायों के 107 वार्डों में बनाये गये 187 मतदान केंद्र

23 जनवरी को 173565 मतदाता करेंगे मतदान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : नगर निकाय चुनाव-2024 हेतु जनपद के 07 नगर निकायों के 107 वार्डों में 187 मतदान केंद्र बनाये गये हैं। सभी नगर निकायों में मतदाताओं की संख्या 173565 है। 23 जनवरी को प्रातः 08 बजे से 05 बजे तक मतदान होगा। वहीं 25 जनवरी को प्रातः 08 बजे से मतगणना की प्रक्रिया शुरू होगी। नगर निगम श्रीनगर के 40 वार्डों में 43 मतदान स्थल, नगर निगम कोटद्वार के 40 वार्डों में 108 मतदान स्थल बनाये गये हैं। जबकि नगर पालिका पौड़ी के 11 वार्डों में 20 मतदान केंद्र व दुगड्डा के 04 वार्डों में 04 मतदान स्थल बनाये हैं। वहीं नगर पंचायत थलीसैंण के 04 वार्ड में 04 मतदान केंद्र, सतपुली के 04 वार्ड में 04 मतदान स्थल व जौंक के 04 वार्ड में 04 मतदान स्थल बनाये गये हैं।

7 नगर निकायों में मतदाताओं की सूचीः—

निकाय का नाम	महिला मतदाता	पुरूष मतदाता	अन्य
नगर निगम श्रीनगर	14139	14948	07
नगर निगम कोटद्वार	60060	58722	26
नगर पालिका पौड़ी	7225	7587	01
नगर पालिका दुगड्डा	749	743	00
नगर पंचायत थलीसैंण	1125	1258	01
नगर पंचायत सतपुली	1296	1470	01
नगर पंचायत जोंक	1748	2453	06

भाजपा–कांग्रेस ने खोले चुनाव कार्यालय

रुद्रप्रयाग : नगर पालिका रुद्रप्रयाग में निकाय चुनाव में जीत दर्ज करने के लिए भाजपा और कांग्रेस ने अपने-अपने चुनाव कार्यालय खोल दिए हैं। भाजपा ने शुक्रवार को नए बस अड्डे में चुनाव कार्यालय का शुभारंभ किया जबकि कांग्रेस पहले ही चुनाव कार्यालय खोल चुकी है।

रुद्रप्रयाग नगर पालिका में अध्यक्ष पद के लिए चार प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। शुक्रवार को पार्टी के जिलाध्यक्ष महावीर पंवार, रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी के नेतृत्व में नए बस अड्डे में स्थित बरातघर में चुनाव कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया गया। वहीं कांग्रेस ने पहले ही नए बस अड्डे में पार्टी जिलाध्यक्ष कुंवर सजवाण के नेतृत्व में अपना चुनाव कार्यालय खोल दिया है। ताकि चुनाव की बेहतर तैयारी की जा सके। (एजेंसी)

मुख्यमंत्री धामी ने किया ट्यूलिप बल्ब का रोपण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास परिसर में अपने पारिवारिक सदस्यों संग विभिन्न प्रजातियों के ट्यूलिप बल्ब का रोपण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में फूलों की बहुत अधिक मांग बनी रहती है, जिससे प्रदेश में भी पुष्प उत्पादन से स्वरोजगार अर्जित करने की बहुत अधिक संभावना है। अतः किसानों को परंपरागत खेती के साथ-साथ पुष्प उत्पादन की व्यावसायिक खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री आवास परिसर में उन्होंने विभिन्न बागवानी कार्यों का भी निरीक्षण किया तथा फूलों की विभिन्न प्रजातियों के कार्यों का अवलोकन कर ऐसे प्रयासों की सराहना की।

पेयजल के राजकीयकरण पर जल्द फैसला ले सरकार

देहरादून। पेयजल को राजकीय विभाग बनाए जाने को लेकर जल निगम जल संस्थान संयुक्त मोर्चा ने सरकार पर दबाव बनाया। मोर्चा ने निकाय चुनाव आचार संहिता के बाद जल्द राजकीय विभाग बनाए जाने की दिशा में ठोस कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने की मांग की। मोर्चा संयोजक रमेश बिंजौला ने कहा कि पेयजल को राजकीय विभाग बनाए जाने को एक दशक से मुहिम चलाई जा रही है। इस एक दशक में कई समितियों का गठन हो चुका है। कई समितियों की रिपोर्ट आ चुकी है। इसके बाद भी राजकीयकरण नहीं हो पाया है। जबकि सरकार की ओर से आश्वासन दिया गया था कि जल्द राजकीय विभाग बनाए जाने की दिशा में कार्रवाई की जाएगी। संयोजक विजय खाली ने कहा कि आश्वासन दिया गया था कि पेयजल को राजकीय विभाग बनाए जाने तक कर्मचारियों, पेंशनर्स को ट्रेजरी से वेतन, पेंशन का भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। इस दिशा में भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। जबकि तीन बार कर्मचारियों के आंदोलन को सरकार की ओर से आश्वासन देकर समाप्त कराया गया। अब इन आश्वासनों के पूरा न होने से कर्मचारियों में रोष है।

फिल्म निर्देशक श्याम बेनेगल को किया याद

देहरादून। दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में शुक्रवार को भारतीय फिल्म निर्देशक, पथकथा लेखक एवं वृत्तचित्र फिल्म निर्माता श्याम बेनेगल को याद किया गया। इस दौरान उन पर केंद्रित वृत्तचित्र और कार्यों पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें वृतचित्र फिल्म, प्रमुख परियोजनाओं और कार्यों के निजी पुर्नमूल्यांकन पर छोटी–छोटी फिल्में प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में इरम गुफरान की ओर स पीएसबीटी के साथ बनाई गई एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म शामिल थी।

प्रत्याशियों ने शुरू किया चुनाव प्रचार

चमोली : ग्रीष्मकालीन राजधानी की नगर पंचायत गैरसैंण में चुनाव चिह्न आवंटन के साथ ही शुक्रवार से विधिवत डोर टू डोर प्रचार प्रांरभ हो गया है।

सात वार्डों में फैले तथा 5246 मतदाताओं वाले इस नगर पंचायत में अध्यक्ष पद के लिए पांच तथा वार्ड सभासद के लिए 19 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। भाजपा प्रत्याशी ममता नेगी ने कार्यकर्ताओं के साथ वार्ड एक डांगीधार, कांग्रेस के मोहन भंडारी ने पटोड़ी, सुनारगांव व कांड़ा तथा कांग्रेस के बागी निर्वतमान नपंअ पुष्कर सिंह रावत ने गैरसैंण नगर में अपने पक्ष में समर्थन मांगा। चुनाव चिह्न आवंटन के बाद अब नपंअ एवं सभासदों का चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों के प्रचार-प्रसार शुरू हो गया है। (एजेंसी)

राष्ट्रीय खेल हमारे लिए सौगात, रुकेगा खिलाड़ियों का पलायन : सुभाष राणा

खेल का जो ढांचा 10–20 वर्षों में बनना था, वो अब तुरंत बन जाएगा

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए चयनित कोच सुभाष राणा मानते हैं कि 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी हमारे लिए किसी सौगात से कम नहीं है। इस आयोजन के दौरान खेलों के लिए इतना बड़ा आधारभूत ढांचा उत्तराखंड में तैयार हो जाएगा, कि खेल प्रतिभाओं को प्रशिक्षण के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। स्थिति ऐसी बदलेगी कि अन्य प्रदेशों के खिलाड़ी प्रशिक्षण के लिए यहां आने शुरू हो जाएंगे। राणा का यह भी कहना है कि सुविधाओं के अभाव में खिलाड़ियों के अन्य प्रदेशों से खेलने पर भी रोक लग जाएगी। इस तरह से यह आयोजन खेल पलायन को भी रोकेगा। श्री राणा ने राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए सीएम पुष्कर सिंह धामी को शुभकामनाएं भी दी।

द्रोणाचार्य पुरस्कार मिलने पर राणा का कहना है जब आपके काम को मान्यता मिलती है, तो स्वाभाविक तौर पर उत्साह बढ़ता है और खुशी मिलती है। 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए उत्तराखंड की मेजबानी को वह खेल विकास के लिए बहुत बड़े अवसर के तौर पर देखते हैं। श्री राणा ने कहा कि राष्ट्रीय खेल जहां भी होते हैं, वहां खेल का बड़ा आधारभूत ढांचा तैयार हो जाता है। इससे खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने और निखरने का अवसर मिलता है। खेल का जो आधारभूत ढांचा उत्तराखंड में दस-बीस वर्षों बाद तैयार होना था, वह राष्ट्रीय खेलों की वजह से कुछ दिनों में ही तैयार मिलेगा। नई प्रतिभाओं को आगे आने में इससे बहुत लाभ मिलेगा। उत्तराखंड खेलों में नई ऊंचाइयां प्राप्त करेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए चयनित होने पर सुभाष राणा को हार्दिक बधाई। उन्होंने उत्तराखंड का मान बढ़ाया है। खेल क्षेत्र में उत्तराखंड दिन प्रतिदिन आगे बढ़ रहा है। अब राष्ट्रीय खेलों का आयोजन खेल विकास में एक नई इबारत लिखेगा। खेलों में उत्तराखंड और देश का नाम आगे बढ़ान वाले सभी खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों से मेरी अपील है कि वे राष्ट्रीय खेलों में अपनी भागीदारी निभाएं।

उत्तराखंड से खेलने के लिए कर रहे संपर्क

विभिन्न खेलों में अन्य प्रदेशों का प्रतिनिधित्व कर रहे कई खिलाड़ी अब उत्तराखंड से खेलने के इच्छुक हैं। सुभाष राणा ने एक बातचीत में इस बात की पुष्टि की है। उत्तराखंड की शूटिंग फेडरेशन से जुड़े सुभाष राणा के अनुसार ऐसे कई खिलाड़ियों ने उनसे संपर्क किया है। कई खिलाड़ी खेलों की अन्य फेडरेशन से भी संपर्क कर रहे हैं।

खिलाड़ी/कोच बतौर ये हैं उपलब्धियां

जाने–माने शूटर रहे सुभाष राणा के खाते में चार अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण और दो रजत पदक शामिल हैं। उन्होंने वर्ष 1994 में इटली और वर्ष 1998 में स्पेन में हुई विश्व शूटिंग चैंपियनशिप में भाग लिया था। एक कोच के तौर पर उनकी उपलब्धियों की चर्चा करें, तो वर्ष 2020 में टोक्यो पैरालंपिक में शामिल हुई शूटिंग टीम को उन्होंने प्रशिक्षित किया था।

निर्वाचन लड़ रहे प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित, चुनाव प्रचार हुआ तेज

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : नगर पालिका परिषद रुद्रप्रयाग सहित नगर पंचायत तिलवाड़ा, अगस्त्यमुनि, ऊखीमठ व गुप्तकाशी हेतु निकाय निर्वाचन लड़ रहे उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए गए हैं। स्थानीय निकाय चुनाव के लिए शुक्रवार को चुनाव चिह्नों का आवंटन होने के साथ ही अब प्रत्याशियों ने जीत की रणनीति बनाने के साथ ही प्रचार-प्रसार तेज कर दिया है। अब चुनाव चिन्ह मिलते ही ये सभी प्रत्याशी समर्थकों के साथ सक्रिय हो गए हैं। रिटर्निंग अधिकारी नगर पालिका परिषद रुद्रप्रयाग आशीष घिल्डियाल ने बताया कि नगर पालिका परिषद रुद्रप्रयाग से 04 उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है, जिसमें चंद्रमोहन सेमवाल भाजपा को कमल का फूल, दीपक सिंह भंडारी को कांग्रेस को हाथ का पंजा, अशोक चौधरी निर्दलीय को गैस सिलेंडर तथा संतोष सिंह रावत निर्दलीय को बाल्टी आवंटित किए गए हैं। सभासद पद हेतु 21 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों जिनमें वार्ड नं 01 से संगीता देवी भाजपा कमल का फूल, रवीना देवी निर्दलीय को टॉर्च, वार्ड नं 02 से अंकुर खन्ना निर्दलीय को केतली, रविंद्र सिंह चैहान डोली निर्दलीय राजेंद्र सिंह को बल्ला, लीला देवी निर्दलीय को गैस सिलेंडर, सुधीर चैधरी निर्दलीय को टॉर्च, वार्ड नं 03 से उमा देवी भाजपा को कमल का फूल, विनीता देवी निर्दलीय को गैस सिलेंडर, वार्ड नं 05 से लक्ष्मण सिंह बिष्ट भाजपा को कमल का फूल, नमन शर्मा निर्दलीय को टॉर्च, नरेश प्रसाद निर्दलीय को बाल्टी, परिक्षीत सती निर्दलीय को केतली, वार्ड नं 06 से नरेंद्र सिंह रावत निर्दलीय को बल्ला, रजनी देवी निर्दलीय को केतली, राजेंद्र सिंह निर्दलीय गैस सिलेंडर, सूरज नौटियाल निर्दलीय को घंटी तथा वार्ड नं 07 से उमा देवी भाजपा को कमल का फूल, किरन निर्दलीय को घंटी, नंदनी निर्दलीय को कप और प्लेट, रजनी देवी निर्दलीय को गैस सिलेंडर चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है।रिटर्निंग अधिकारी नगर पंचायत तिलवाड़ा मीनल गुलाटी ने बताया कि नगर पंचायत तिलवाड़ा अध्यक्ष पद के 02 उम्मीदवारों हेतु जिसमें विनीता देवी भाजपा को कमल का फूल, सीमा देवी कांग्रेस को हाथ का पंजा चुनाव चिह्न आवंटित किए गए हैं। सभासद पद के 06 उम्मीदवरों को चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है, जिसमें वार्ड नं 01 से अमित सिंह को कैंची, दिनेश प्रसाद को अलमारी, वार्ड नं 02 से आशीष कंडारी को अलमारी तथा रंजना असवाल को ईंट, वार्ड नं 03 से अरुणा देवी अलमारी, तथा रजनी देवी को मोमबत्ती आवंटित किए गए हैं। रिटर्निंग अधिकारी नगर पंचायत अगस्त्यमुनि अनीता पंवार ने बताया कि नगर पंचायत अगस्त्यमुनि में अध्यक्ष पद हेतु 03 प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है, जिसमें राजेंद्र प्रसाद कांग्रेस को हाथ का पंजा, सतीश प्रसाद भाजपा को कमल का फूल, सुशील गोस्वामी निर्दलीय को चुनाव चिह्न गैस सिलेंडर आवंटित किए गए हैं।

सभासद पद हेतु 17 प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित किए गए हैं, जिसमें वार्ड नं 01 से कपूरी देवी निर्दलीय को गैस सिलेंडर, कविता देवी निर्दलीय को ईंट, वार्ड सं 02 से सुचिता देवी निर्दलीय को केतली, सोनिया सजवाण निर्दलीय को गैस सिलेंडर, वार्ड सं 03 से मुग्धा रानी निर्दलीय को वायुयान, रुचि रावत निर्दलीय को गैस सिलेंडर, वार्ड नं04 से कमल चंद्र निर्दलीय को गैस सिलेंडर, सुधीर सिंह नेगी भाजपा को कमल का फूल, वार्ड नं 05 से कमल किशोर निर्दलीय को कैमरा, विक्की आनंद निर्दलीय को गैस सिलेंडर, वार्ड नं 06 से उमा कैंतुरा निर्दलीय को गैस सिलेंडर, गीता मलासी को कैरम बोर्ड, दिनेश बैंजवाल को केतली, प्रमेंद्र सिंह निर्दलीय को कांच का गिलास, त्रिभुवन सिंह नेगी भाजपा को कमल का फूल, वार्ड नं 07 से हिमांशु भट्ट पुत्र उमा प्रसाद भट्ट निर्दलीय को गैस सिलेंडर, हिमांशु भट्ट पुत्र चंद्रप्रकाश भट्ट भाजपा को कमल का फूल चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है।

रिटर्निंग अधिकारी नगर पंचायत ऊखीमठ अनिल कुमार शुक्ला ने बताया कि नगर पंचायत ऊखीमठ अध्यक्ष पद हेतु 04 उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है, जिसमें बबीता भाजपा को कमल का फूल, रीता पुष्पवाण कांग्रेस को हाथ का पंजा तथा निर्दलीय प्रत्याशी कल्पेश्वरी देवी को बल्लेबाज तथा कुब्जा देवी को अलमारी चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है। रिटर्निंग अधिकारी नगर पंचायत गुप्तकाशी खुशवंत सिंह चौहान ने बताया कि नगर पंचायत गुप्तकाशी में अध्यक्ष पद हेतु 03 उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटित किया गया, जिसमें बीना देवी कांग्रेस को हाथ का पंजा, विशेश्वरी देवी भाजपा को कमल का फूल तथा निर्दलीय प्रत्याशी स्मृति लता को केतली चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है। उन्होंने बताया कि सभासद पद हेतु 11 उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है, जिसमें वार्ड नं 01 से धीरेंद्र सिंह कांग्रेस को हाथ का पंजा, मातवर सिंह भाजपा को कमल का फूल, भगवती प्रसाद को गैस सिलेंडर, वार्ड नं 02 ज्योति भाजपा को कमल का फूल, निशा देवी कांग्रेस को हाथ का पंजा, उर्मिला देवी को सिलेंडर वार्ड नं 03 से गौरव रावत भाजपा को कमल का फूल, धर्मेंद्र सिंह निर्दलीय को गैस सिलेंडर वार्ड नं 04 से पूजा देवी भाजपा को कमल का फूल, पूनम देवी निर्दलीय गैस सिलेंडर, रश्मि पंवार कांग्रेस को हाथ का पंजा चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ियां

आगामी कुम्भ मेला–2025 के मद्देनजर, रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियाँ नीचे दी गई समय–सारणी के अनुसार चलाई जाएंगीः–

04526/04525 बठिण्डा जं. – फाफामऊ जं. – बठिण्डा जं. कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 12 फेरे

गाड़ी सं. 04526 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04525 आगमन	प्रस्थान
----	04:30	बठिण्डा जं.	01:10	----
23:55	----	फाफामऊ जं.	----	06:30

चलने के दिन: 04526 बठिण्डा जं. से दिनांक 19.01.2025, 22.01.2025, 25.01.2025, 08.02.2025, 18.02.2025 एवं 22.02.2025 तथा 04525 फाफामऊ जं. से दिनांक 20.01.2025, 23.01.2025, 26.01.2025, 09.02.2025, 19.02.2025 एवं 23.02.2025 को।
स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।
ठहराव: रामपुरा फूल, बरनाला, धूरी, पटियाला, राजपुरा, अम्बाला छावनी, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, रूड़की, लक्सर, नजीबाबाद, मुरादाबाद, बरेली जं., शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ एवं रायबरेली जं. स्टेशन।

04528/04527 अम्ब अन्दौरा – फाफामऊ जं. – अम्ब अन्दौरा कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 12 फेरे

गाड़ी सं. 04528 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04527 आगमन	प्रस्थान
----	22:05	अम्ब अन्दौरा	17:50	----
12:45	12:55	लखनऊ	02:00	02:10
18:00	----	फाफामऊ जं.	----	22:30

चलने के दिन: 04528 अम्ब अन्दौरा से दिनांक 17.01.2025, 20.01.2025, 25.01.2025, 09.02.2025, 15.02.2025 एवं 23.02.2025 तथा 04527 फाफामऊ जं. से दिनांक 18.01.2025, 21.01.2025, 26.01.2025, 10.02.2025, 16.02.2025 एवं 24.02.2025 को।
स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।
ठहराव: ऊना हिमाचल, नंगल डैम, आनन्दपुर साहिब, रूप नगर, मोरिंडा, चंडीगढ़, अम्बाला छावनी, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, रूड़की, नजीबाबाद, मुरादाबाद, बरेली जं., शाहजहाँपुर, लखनऊ एवं रायबरेली जं. स्टेशन।

04316/04315 देहरादून – फाफामऊ जं. – देहरादून कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 12 फेरे

गाड़ी सं. 04316 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04315 आगमन	प्रस्थान
----	08:10	देहरादून	21:30	----
18:30	18:35	लखनऊ	10:40	10:50
23:50	----	फाफामऊ जं.	----	06:30

चलने के दिन: 04316 देहरादून से दिनांक 18.01.2025, 21.01.2025, 24.01.2025, 09.02.205, 16.02.2025 एवं 23.02.2025 तथा 04315 फाफामऊ जं. से दिनांक 19.01.2025, 22.01.2025, 25.01.2025, 10.02.2025, 17.02.2025 एवं 24.02.2025 को।
स्थान: 2 टियर वाता. सह 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।
ठहराव: हरिद्वार, नजीबाबाद, मुरादाबाद, बरेली जं., लखनऊ एवं रायबरेली जं. स्टेशन।

04066/04065 दिल्ली जं. – फाफामऊ जं. – दिल्ली जं. कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 14 फेरे

गाड़ी सं. 04066 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04065 आगमन	प्रस्थान
----	23:25	दिल्ली जं.	13:40	----
14:15	----	फाफामऊ जं.	----	23:30

चलने के दिन: 04066 दिल्ली जं. से दिनांक 10.01.2025, 18.01.2025, 22.01.2025, 31.01.2025, 08.02.2025, 16.02.2025 एवं 27.02.2025 तथा 04065 फाफामऊ जं. से दिनांक 11.01.2025, 19.01.2025, 23.01.2025, 01.02.2025, 09.02.2025, 17.02.2025 एवं 28.02.2025 को।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।
ठहराव: गाजियाबाद, हापुड़, गढ़मुक्तेश्वर, गजरौला, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली जं., शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ एंव रायबरेली जं. स्टेशन।

04662/04661 अमृतसर – फाफामऊ जं. – अमृतसर कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 06 फेरे

गाड़ी सं. 04662 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04661 आगमन	प्रस्थान
----	20:10	अमृतसर	04:15	----
19:00	----	फाफामऊ जं.	----	06:30

चलने के दिन: 04662 अमृतसर से दिनांक 09.01.2025, 19.01.2025 एवं 06.02.2025 तथा 04661 फाफामऊ जं. से दिनांक 11.01.2025, 21.01.2025 एवं 08.02.2025 को।
स्थान: 2 टियर वाता. सह 3 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।
ठहराव: ब्यास, जालंधर सिटी, ढंडारी कलां, सरहिंद, राजपुरा, अम्बाला छावनी, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, देवबंद, मुज़फ्फरनगर, मेरठ सिटी, हापुड़, गढ़मुक्तेश्वर, गजरौला, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली जं., शाहजहाँपुर, लखनऊ एवं रायबरेली जं. स्टेशन।

04664/04663 फिरोजपुर – फाफामऊ जं. – फिरोजपुर कुम्भ विशेष रेलगाड़ी — 02 फेरे

गाड़ी सं. 04664 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04663 आगमन	प्रस्थान
----	13:25	फिरोजपुर	16:45	----
11:30	----	फाफामऊ जं.	----	19:30

चलने के दिन: 04664 फिरोजपुर से दिनांक 25.01.2025 तथा 04663 फाफामऊ जं. से दिनांक 26.01.2025 को।
स्थान: 2 टियर वाता. सह 3 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।
ठहराव: फरीदकोट, कोट कपूरा, बठिण्डा जं., धूरी जं., पटियाला, राजपुरा, अम्बाला छावनी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली जं., शाहजहाँपुर, लखनऊ एवं रायबरेली जं. स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

नामांकन निरस्त होने पर कांग्रेस को दिख रही हार की आशंका : जोशी

देहरादून। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सुरेश जोशी ने निकायों में नामांकन निरस्तीकरण के कांग्रेस के आरोपों पर शुक्रवार को पलटवार किया है। कहा कि यह उनकी चुनावों में प्रत्यक्ष दिख रही हार से उपजी हताशा है। बलवीर रोड स्थित पार्टी मुख्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान जोशी ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ चुनावों में आधी अधूरी और गलत जानकारी के साथ सक्रिय होती है। वहीं, कांग्रेस के बड़े नेता भी उम्मीदवारों के चयन में लेनदेन, गुटबाजी, गड़बड़ी और अयोग्यता के गंभीर आरोप लगा चुके हैं। लिहाजा नतीजे सामने है, उनके प्रत्याशियों के नामांकन का त्रुटिपूर्ण मिल रहे हैं।

उन्होंने नामांकन निरस्तीकरण के अंतर को दोनों पार्टियों की कार्यशैलियों का अंतर बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा 247 की पार्टी है और हमेशा जनता के बीच सक्रिय रहती है। जब– जब चुनाव आयोग मतदाता सूचियों या मतदाता बनाने का अभियान चलाता है, तब भाजपा कार्यकर्ता जनता के मध्य कार्य करते हैं। ऐसे में यदि कोई त्रुटि उन्हें नजर आती है तो वह तत्काल सुधार की प्रक्रिया अपनाते हैं।

स्कूली बच्चों को बताए ट्रैफिक नियम

देहरादून। संभागीय परिवहन विभाग कार्यालय राजपुर रोड में शुक्रवार को जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें स्कूली छात्र–छात्राओं को ट्रैफिक नियमों की जानकारी देकर उनका पालन करने की अपील की। आरटीओ (प्रवर्तन) शैलेश तिवारी ने बताया कि सड़क सुरक्षा के प्रति प्रत्येक नागरिक का जागरूक होना जरूरी है। यह तभी होगा जब सभी ट्रैफिक नियमों का पालन करेंगे। उन्होंने दोपहिया वाहन में हेलमेट और चौपहिया में सीट बेल्ट जरूर पहनने को कहा। वाहन चलाते समय मोबाइल उपयोग नहीं करने और स्पीड पर नियंत्रण रखने को कहा। कहा कि सबसे ज्यादा हादसे ओवरस्पीड से होते हैं।

चार फरवरी से शुरू होंगे सात दिवसीय राष्ट्रीय खेल

नई टिहरी : राज्य में होने वाले 38वें राष्ट्रीय ओलंपिक खेलों की तैयारियां टिहरी में भी तेज हो गई हैं। टिहरी झील में चार फरवरी से सात दिनों तक महिला और पुरुष वर्ष की वाटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिताएं होंगी। जिसमें देशभर के करीब साढ़े चार सौ खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। जबकि 15 से 17 जनवरी तक जिले में मशाल रैली आयोजित होगी। खेलों के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन और खेल विभाग इन दिनों तैयारियों में जुटा हुआ है। जिले की टिहरी झील में पहली बार सात दिनों के राष्ट्रीय खेल आयोजित हो रहे हैं। झील में कयाकिंग, केनोइंग, जोईंग महिला-पुरुष ओपन वर्ग की प्रतियोगिताएं होंगी। प्रशासन झील तक पहुंच मार्ग से लेकर देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले करीब साढ़े चार सौ खिलाड़ियों के रहने, खाने समेत अन्य व्यवस्थाओं को जुटाने में लगा हुआ है। जिला खेल अधिकारी दीपक रावत ने बताया कि खेलों प्रचार-प्रसार के लिए 12 से 14 जनवरी तक जिले के कीर्तिनगर, देवप्रयाग, नरेंद्रनगर, जाखणीधार, प्रतापनगर, थौलधार, घनसाली, नई टिहरी, चंबा, जौनपुर आदि स्थानों पर प्रचार वाहन लोगों को जानकारी देगा। बताया कि 15 जनवरी रुद्रप्रयाग से घनसाली में मशाल रैली प्रवेश करेगी।

प्रथम अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन में आएंगे 17 देशों से लोग

12 जनवरी को देहरादून में होने जा रहा है भव्य आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखंड सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे प्रथम अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन में 17 देशों में रहने वाले उत्तराखंडी पहुंच रहे हैं। अब तक 50 से अधिक जाने माने प्रवासी उत्तराखंडियों ने सम्मेलन के लिए अपना पंजीकरण करवा लिया है।

12 जनवरी को आयोजित होने वाले एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन का उद्घाटन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे। सम्मेलन में उत्तराखंड में निवेश की संभावना, हॉस्पेटिलिटी/वेलनेस, कौशल विकास, विदेश में रोजगार और उच्च शिक्षा के साथ ही उद्यान जड़ी-बूटी में संभावना विषय पर चार अलग-अलग सत्रों में पैनल डिस्कशन भी किया जाएगा। इस सम्मेलन में विदेश में रहते हुए अलग-अलग क्षेत्रों में नाम कमाने वाले कई प्रवासी उत्तराखंडी शामिल हो रहे हैं। इसमें प्रवासी भारतीय सम्मान प्राप्त दुबई निवासी गिरीश चंद्र पंत के अलावा चीन से देव रतूड़ी, अमेरिका से डॉ. अनिता शर्मा, जापान से भुवन तिवारी, सिंगापुर से सुनील थपलियाल, मीनाक्षी डबराल, थाईलैंड से डॉ. एके काला जैसे नाम शामिल हैं। कई प्रवासी, इससे पहले भारत सरकार की ओर से भुवनेश्वर में आयोजित किए जा रहे प्रवासी भारतीय दिवस में भी शामिल होंगे। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट भी शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विदेशों में रहने वाले उत्तराखंड के प्रवासी, हर क्षेत्र में नाम कमा रहे हैं।

उनके पास ज्ञान, विज्ञान, तकनीकी, उद्यमशीलता का विपुल अनुभव है। सरकार चाहती है कि इस अनुभव से प्रवासीजन अपने प्रदेश और गांव का भी विकास करें। सरकार इस काम में हर संभव मदद देने को तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार प्रवासियों को अपने प्रदेशों के विकास में योगदान करने की प्रेरणा देते रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री धामी की पहल से हुई शुरुआत

विदेशों में रहने वाले प्रवासी उत्तराखंडियों को अपनी मिट्टी से जोड़ने की पहल खुद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने की। दरअसल, दिसंबर 2023 में आयोजित इन्वेस्टर समिट से पहले सीएम धामी विदेश दौरे पर गए थे, जहां प्रवासियों ने उनका उत्तराखंड की रीति परंपरा से स्वागत किया। इस दौरान तमाम सफल लोगों की मुख्यमंत्री से मुलाकात हुई।

इसी के बाद मुख्यमंत्री ने ऐसे प्रवासियों के अनुभव का लाभ लेने के लिए, शासन में प्रवासी उत्तराखंडी सेल गठित किए जाने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन भी आयोजित करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में गत सात नवंबर को देहरादून में अपने देश के भीतर ही विभिन्न राज्यों में रहने वाले उत्तराखंडियों के बीच ऐसा ही एक सम्मेलन आयोजित किया जा चुका है।

जयन्त

संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com